P372

इंदौर, सोमवार 02 मार्च 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 107
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

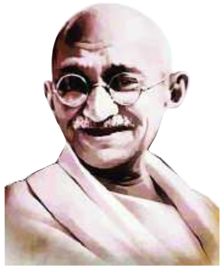

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

मार्च से मई तक भीषण गर्मी के आसार

पेज-2

घर में स्पष्ट सीमाएं होना बेहद जरूरी: टिस्का

पेज-5

मस्जिद के पास कब्जे हटाने की कार्रवाई...

पेज-6

भोपाल, धार और सागर के कलेक्टर बदलने की तैयारी!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्य प्रदेश में बड़े प्रशासनिक फेरबदल की तैयारी है। भोपाल, रीवा, धार, सागर, होशंगाबाद और शाजापुर सहित कई जिलों के कलेक्टर बदले जा सकते हैं। सरकार जनगणना शुरू होने से पहले नए अफसरों की पोस्टिंग तय करना चाहती है। सरकार ने कलेक्टरों के तबादलों की सूची पर काम तेज कर दिया है। यह सूची होली के तत्काल बाद जारी हो सकती है। सूची में सिर्फ कलेक्टर ही नहीं बल्कि कई और आईएएस अफसर भी शामिल रह सकते हैं। इसे इस बार बड़ा प्रशासनिक फेरबदल माना जा रहा है। पिछली सूची में सरकार ने 11 अफसरों के तबादले किए थे। तब भी कुछ नामों पर चर्चा हुई थी, जो अब इस सूची में आ सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह का नाम सूची में शामिल है। वे 2010 बैच के आईएएस हैं और अब सचिव रैंक पर पहुंच चुके हैं। बताया जा रहा है कि धार कलेक्टर प्रियांक मिश्रा, रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल, सागर कलेक्टर संदीप जीआर, होशंगाबाद कलेक्टर सोनिया मीणा, शाजापुर कलेक्टर ऋजु बाफना, नीमच कलेक्टर हिमांशु चंद्रा, बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी और सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के नाम पर भी विचार हो रहा है। इसी तरह शहडोल संभाग से जुड़े और जिलों में भी बदलाव की संभावना है।

व्यावसायिक कर विभाग के प्रमुख सचिव अमित राठौर के तबादले की भी चर्चा है। उनके साथ ही भोपाल आयुक्त संजीव सिंह और शहडोल आयुक्त सुरभि गुप्ता के नाम भी सामने आ रहे हैं। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग आयुक्त श्रीकांत बनोत और बजट निदेशक राजीव रंजन मीना के शिफ्ट होने की संभावना जताई जा रही है। इन सभी अफसरों की नई जिम्मेदारियों पर मंथन जारी है। तबादला सूची होली के बाद कभी भी जारी हो सकती है। होली के बाद सीएम मोहन यादव एवं सीएस अनुराग जैन तबादला लिस्ट पर चर्चा करके अंतिम मुहर लगा देंगे। तबादलों की सरगर्मी तेज होते देख राज्य मुख्यालय से जिलों तक अफसरों की बातचीत तेज हो चुकी है। हर अफसर अपनी अगली पोस्टिंग को लेकर कयास लगा रहा है।

पिछली सूची क्यों अटकी रही और अब क्या बदलेगा : सरकार पहले ही कलेक्टरों की एक बड़ी सूची जारी करना चाहती थी। लेकिन स्क्रुक्रऔर विधानसभा सत्र के कारण यह सूची टलती रही। उस अवधि में सरकार ने किसी बड़े अफसर का तबादला नहीं किया। अब जैसे ही यह वजहें खत्म हुईं, फाइलों पर फिर से काम शुरू हो गया है।

जनगणना से पहले नई पोस्टिंग क्यों जरूरी मानी जा रही है

राज्य में जल्द ही जनगणना कार्य शुरू होना है। यह बड़ा और संवेदनशील प्रशासनिक अभियान होगा। सरकार चाहती है कि गिनती शुरू होने से पहले जिलों में स्थिर टीम बैठ जाए। इसी कारण कलेक्टरों और सीनियर अफसरों की पोस्टिंग जल्दी तय करने का दबाव है। कलेक्टर जिला प्रशासन का चेहरा माने जाते हैं। जनगणना, कानून व्यवस्था और विकास योजनाओं का बड़ा भार उन्हीं पर रहता है। नई पोस्टिंग से सरकार यह संदेश भी देना चाहती है कि प्रदर्शन पर ही अगली जिम्मेदारी तय होगी। इसे 2026 के लिए प्रशासनिक ह्मद्मह्यद्मह्ल की तरह देखा जा रहा है।

2017 बैच के आईएएस बनेंगे कलेक्टर–तबादला सूची में 2017 बैच के आईएएस अफसरों को कलेक्टर बनने का अवसर मिलेगा। अब तक 2016 बैच के डायरेक्ट आईएएस कलेक्टर बन चुके है। वहीं प्रमोटी आईएएस में 2016 बैच के अफसरों को कलेक्टर बनने का मौका मिल सकता है।

रंगपंचमी की गेर इस साल भी प्रतीक्षा सूची से आगे नहीं बढ़ सकी

■ यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करवाने के प्रयास जारी

■ सांसद लालवानी बोले- संस्कृति मंत्रालय से लगातार संवाद जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में रंगपंचमी पर निकलने वाली ऐतिहासिक गेर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करवाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिल पाई है। हर साल भारत की अन्य परंपराएं और त्योहार इस सूची में जगह बनाने की प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा देते हैं। वर्ष 2025-26 में भी इंदौर गेर का प्रस्ताव संस्कृति मंत्रालय की सूची में प्रतीक्षा में ही रह गया।

इंदौर की गेर प्राचीन परंपरा नहीं, इसीलिए हो रही देरी- इंदौर की इस रंगारंग परंपरा को विश्व धरोहर का दर्जा दिलाने के लिए जिला प्रशासन, नगर निगम और सांसद शंकर लालवानी लगातार प्रयासरत हैं। सांसद लालवानी ने बताया कि वे निरंतर संस्कृति मंत्रालय के संपर्क में हैं। मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार देशभर से पारंपरिक आयोजनों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें आयोजनों की प्राचीनता प्रमुख आधार मानी जा रही है। इसी कारण इंदौर का क्रम पीछे रह जाता है। उन्होंने कहा कि इंदौर की गेर रंग और उल्लास से भरा आयोजन है, जिसे शहरवासी हर वर्ष बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। हमारा प्रयास है कि इसे विश्व धरोहर सूची में शामिल कराया जाए। कलेक्टर ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा मप्र संस्कृति विभाग को प्रस्ताव पहले ही भेजा जा चुका है और प्रतिवर्ष आयोजन की रिपोर्ट भी प्रेषित की जा रही है। राज्य और केंद्र सरकार स्तर पर भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं ताकि इंदौर की इस धरोहर को वैश्विक पहचान मिल सके। गेर को देखने अब विदेशों से भी पर्यटक आने लगे हैं।

इंदौर ● होली के पूर्व शहर के प्रमुख बाजारों में दिखने लगी रंग-गुलाल की दुकाने। खरीददारी करती हुई महिलाएं।

न्यूज ब्रीफ

- दिल्ली के कई स्कूलों को फिर बम की धमकी, मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल की टीमें
- पाकिस्तान में US एंबेसी में सारी अप्वॉइंटमेंट कैंसिल, कराची हिंसा के बाद फैसला
- बेरुत के दक्षिणी उपनगरों पर इजरायली का हमला, 10 लोगों की मौत
- खामेनेई की मौत का बदला लेगा हिजबुल्लाह, इजरायल के खिलाफ ऑपरेशन का ऐलान
- गृह मंत्रालय का सभी राज्यों को अलर्ट, प्रो-ईरान और एंटी-ईरान समूहों की गतिविधियों पर रखें कड़ी निगरानी
- खाड़ी देशों पर ईरान के हमले जारी, कई जगहों पर दिखी मिसाइलें
- पीएम नरेंद्र मोदी ने इजरायल के पीएम नेतन्याहू से की बात
- तेहरान में अपना दूतावास बंद करेगा यूएई
- जम्मू-कश्मीर : प्रदर्शन के चलते लाल चौक सील, दो दिन बंद रहेंगे स्कूल, यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं भी स्थगित
- एयर इंडिया ने 2 मार्च तक सस्पेंड की यूएई, सऊदी अरब, इजरायल और कतर से आने-जाने वाली सभी उड़ानें

आज से जारी हो सकती है कांग्रेस जिला कार्यकारिणी की सूचियां

■ बड़े जिलों की कार्यकारिणी में 51 और छोटे जिलों में 31 सदस्य होंगे

■ पार्टी ने पिछले महीने चार जिलों की कार्यकारिणी रद्द कर दी थी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मप्र में कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी की बहुप्रतीक्षित सूचियां सोमवार से जारी होने के आसार हैं। पार्टी जिला कार्यकारिणी की घोषणा चरणबद्ध तरीके से करेगी। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि मार्च के अंत तक सभी जिला कार्यकारिणी घोषित किए जाने की तैयारी है। प्रदेश में कांग्रेस के 71 संगठनात्मक जिले हैं।

मप्र में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के पांच महीने बाद जनवरी में जैसे-तैसे जिला कार्यकारिणी की घोषणा शुरू हुई, इस बीच केंद्रीय नेतृत्व से आए एक फरमान ने नई जिला कार्यकारिणी पर रोक लगा दी थी। पार्टी ने तय किया है कि बड़े जिलों की कार्यकारिणी में 51 और छोटे जिलों में 31 सदस्य बनाए जाएंगे। इसी के आधार पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अब नए सिरे से सभी 71 जिलों की कार्यकारिणी के गठन में जुटी है। कुछ जिलों की नई कार्यकारिणी गठित कर ली गई है। दरअसल, जिला कांग्रेस अध्यक्षों ने तीन महीने की मशक्कत के बाद जिलों की कार्यकारिणी गठित की थी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जिलों की ओर से भेजी गई कार्यकारिणी की सूची का परीक्षण कर लिया था। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जनवरी के आखिर में सागर, छिंदवाड़ा, मऊगंज व झाबुआ की जिला कार्यकारिणी घोषित की थी। पीसीसी ने बाकी जिलों की कार्यकारिणी भी 15 फरवरी तक घोषित करने की तैयारी कर ली थी। इस बीच जिला कार्यकारिणी के नए स्वरूप को लेकर दिल्ली से आए फरमान के बाद इन चारों जिलों की कार्यकारिणी निरस्त कर दी गई थी।

अन्य जिलों के साथ इन चारों जिलों में भी नई कार्यकारिणी गठित होगी। कांग्रेस के प्रदेश संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले ने बताया कि जल्द ही जिला कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी। जिला कार्यकारिणी की सूचियां चरणबद्ध तरीके से होगी।

आरएसएस की बैठक 13 मार्च से, मप्र संगठन महामंत्री का फैसला संभावित

संघ की हरियाणा बैठक में होंगे कई फैसले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

चंडीगढ़ • राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की इस महीने समालखा (हरियाणा) में होने वाली सबसे महत्वपूर्ण बैठक अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में कई महत्वपूर्ण फैसले होंगे। शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ ही संघ के नए कार्यक्रमों पर भी मंथन होगा। 13 से 15 मार्च तक होने वाली इस पॉवरफुल बैठक में मध्यप्रदेश के लिए नए संगठन महामंत्री की घोषणा भी होने की संभावना जताई जा रही है। वार्षिक बैठक में विभिन्न स्तर पर अधिकारियों के कार्यक्षेत्र के विभाजन को अंतिम रूप भी दिया जाएगा। शताब्दी वर्ष में इस बार संघ के सामने अपने सभी प्रांतों को संभाग में विभाजित कामकाज को निचले स्तर तक ले जाने के प्रस्ताव पर भी निर्णय लिया जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष होंगे शामिल : भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी इस बैठक में पहली बार शिरकत करेंगे। मप्र में 31 जनवरी को प्रदेश संगठन महामंत्री का पद खाली हुआ है। इस पद पर करीब 5 साल पदस्थ रहे हितानंद शर्मा को संघ में वापसी के साथ मध्य क्षेत्र के सह बौद्धिक प्रमुख की जवाबदारी सौंपी गई है। फिलहाल क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल को प्रभार सौंपा गया है। ऐसा माना जा रहा है कि

प्रतिनिधि सभा में मप्र के लिए नए संगठन महामंत्री का ऐलान हो सकता है।

8 मार्च से टोली की बैठकें

प्रतिनिधि सभा के तीन दिन पहले ही संघ की छोटी टोली की बैठकें शुरू हो जाएंगी। इन बैठकों में सर संघ चालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और सभी सह सरकार्यवाह 8 मार्च को ही समालखा पहुंच जाएंगे। बैठक में मध्य प्रदेश के अनेक पदाधिकारी भी शामिल होंगे। अभा पदाधिकारी, क्षेत्र संघचालक, प्रचारक, कार्यवाह, सभी प्रांत संघचालक, कार्यवाह, प्रचारक एवं सभी कार्य विभाग के प्रमुख, पूर्व प्रांत प्रचारक और पूर्व क्षेत्र प्रचारक आदि मौजूद रहेंगे। बैठक में भाजपा एवं विश्व हिंदू परिषद सहित संघ के सभी करीब 3 दर्जन आनुषांगिक संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे।

होगा असर तेल दरों में 4 से 5 रुपए की हो सकती है बढ़ोतरी, सोना-चांदी चमकेंगे

अमेरिका-ईरान जंग : पेट्रोल-डीजल होंगे महंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) • ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि फिलहाल होर्मुज जलमार्ग को बंद करने का कोई इरादा नहीं है। एक दिन पहले जब अमेरिकी हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे तो आशंका जताई जा रही थी कि ईरान होर्मुज को बंद कर सकता है। ऐसे में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 4 से 5 रुपए की बढ़ोतरी की संभावना है। वहीं सोने-चांदी की कीमतों में भी तेजी हो सकती है।

अगर होर्मुज बंद होता तो कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकते थे। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता था। हालांकि एक्सपर्ट अभी भी मान रहे है कि कच्चे तेल के दामों में बढ़ोतरी का जोखिम अभी भी बना हुआ है। ईरान होर्मुज जलमार्ग को आधिकारिक तौर पर बंद न करे लेकिन वह ऑयल टैंकर्स पर हमले कर सकता है। हाल ही में पर्शियन गल्फ के मुहाने पर तीन जहाजों पर हमला किया भी

गया है। इस हमले के बाद टैंकर कंपनियां इस रास्ते से दूर हो रही है। **पेट्रोल डीजल:** दिल्ली में पेट्रोल 95 लीटर से बढ़कर 100 तक पहुंच सकता है। वहीं डीजल 88 से बढ़कर 92 तक जा सकता है। अन्य शहरों में भी इसी तरह से दाम बढ़ सकते हैं। *कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोना 1.60 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1.90 लाख रुपए तक जा सकता है। चांदी 2.67 लाख रुपए किलो है जो बढ़कर 3.50 लाख तक पहुंच सकती है।*

अमेरिका-ईरान जंग से सेंसेक्स 1000 अंक टूटा

मुंबई। *अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते शेयर बाजार में आज यानी 2 मार्च को गिरावट है। सेंसेक्स 1,000 अंक (1.14%) से ज्यादा की गिरावट के साथ 80,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी करीब 300 अंकों (1.14%) की गिरावट है, ये 24,900 के स्तर पर है।* जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे निवेशक उनके शेयर बेचना शुरू कर देते हैं।

आज भी दुबई में फंसे रहेंगे प्रदेश के नागरिक

शारजाह से इंदौर आने वाली फ्लाइट आज भी कैंसिल

दुबई (एजेंसी) • ईरान और इजराइल में युद्ध के बीच ईरान ने यूएई सहित आठ देशों में मिसाइल हमले शुरू कर दिए हैं। इसमें यूएई भी शामिल है। इसके कारण यूएई के सभी एयरपोर्ट (दुबई, शारजाह और अबूधाबी) कल से बंद हैं। 28 फरवरी से कैंसिल शारजाह से इंदौर आने और जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आज भी निरस्त कर दी गई हैं। इसके कारण इंदौर सहित प्रदेश के सैकड़ों यात्री यूएई में फंस गए हैं।

दो पूर्व विधायकों सहित इंदौर के एक बड़े कारोबारी और उनके साथी दुबई की जिस होटल में ठहरे थे, उसके पास की ही पार्क जुमेरा होटल में मिसाइल गिरी

और धमाका हुआ। घटना के बाद इंदौर के सभी लोगों ने उस इलाके को छोड़कर दूसरी होटल में शरण ली। कारोबारी पिंटू छाबड़ा ने बताया कि उनके परिजन और सभी साथी सुरक्षित हैं। इंदौर से गया एक अन्य परिवार अबूधाबी में फंसा है। हालांकि वहां हालात सामान्य हैं, लेकिन फ्लाइटों के बंद होने के कारण वापसी मुश्किल हो रही है।

इधर, इंदौरियों के दुबई सहित यूएई के विभिन्न शहरों में फंसने की खबर के बाद मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने ताजा हालातों की जानकारी लेते हुए दिल्ली में विभिन्न मंत्रालयों से संपर्क कर दुबई में फंसे इंदौर के लोगों की वापसी के उपायों के बारे में चर्चा की।

नामांतरण, बटवारा, सीमांकन के पेंडिंग मामले निबटाएं जाएं, राजस्व वसूली में लाएं तेजी- कलेक्टर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नामांतरण, बटवारा एवं सीमांकन के लंबित प्रकरणों के निराकरण की अधिकारीवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि सभी राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने राजस्व वसूली के कार्य में विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि वसूली की गति बढ़ाई जाए तथा वित्तीय वर्ष समाप्ति के पूर्व ही निर्धारित लक्ष्य पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में जिले में पदस्थ राजस्व अधिकारियों की आज यहां समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर वर्मा ने बैठक में अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, निशा डामोर, रोशन राय तथा रिंकेश वैश्य सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य जिले में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लगन, मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने कहा कि अब सभी अधिकारी अपने मूल कार्यों पर विशेष ध्यान केंद्रित करें। कलेक्टर वर्मा ने आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखने के निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व संबंधी मामलों में नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

समीक्षा की गई : *बैठक में सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर वर्मा ने निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों की प्रतिदिन समीक्षा की जाए तथा निराकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।*

न्यूज ब्रीफ

ऊर्जामंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ली मिटिंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बिजली उपभोक्ताओं की सुविधाओं के लिए विद्युत कंपनी की टीम गंभीरता से कार्य करे। आरडीएसएस, एसएसटीडी के नए कार्यों का समय पर उपभोक्ताओं को लाभ मिले, ताकि उपभोक्ता संतुष्टि में बढ़ोत्तरी हो। उपभोक्ता सुविधाओं से संबंधित कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदेश के ऊर्जामंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ये बातें कही। रविवार दोपहर पोलोग्राउंड इंदौर स्थित पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक कार्यालय में आयोजित मिटिंग में उन्होंने कहा कि आरडीएसएस के अंतर्गत किसान हो, घरेलू हो, गैर घरेलू हो या औद्योगिक श्रेणी का उपभोक्ताओं के लिए नए कार्य हो रहे हैं, ये कार्य गुणवत्ता से हो, समय से पूर्ण किए जाए, ताकि परियोजना का उद्देश्य समय पर सफल हो। श्री तोमर ने कहा कि आरडीएसएस अंतर्गत जो ऐजेंसियों लापरवाही कर रही है, उन पर कठोर कार्रवाई की जाए, अच्छा कार्य करने वाले एजेंसी को नियमानुसार अतिरिक्त कार्य दिया जा सकता है। सिंह ने केपेसिटर बैंक की स्थापना के बाद उनका गुणवत्ता परीक्षण एवं उनसे हो रहे फायदे की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएबीएल, एलटीएमटी लेब का सतत पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिए।

रोज़े के दौरान एक्टिव रहें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पवित्र महीना रमज़ान इबादत, सोच-विचार और मिल-जुलकर रहने का समय होता है। 30 दिनों तक सुबह से शाम तक रोज़ा रखना शरीर के लिए थकाने वाला हो सकता है, खासकर माताओं, कॉलेज के विद्यार्थियों और कामकाजी लोगों के लिए जो रोज़ की ज़िम्मेदारियाँ भी निभाते हैं। पूरे दिन ऊर्जा बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका है सही तरीके से और सोच-समझकर तैयार की गई सहरी खाना। कैलिफोर्निया बादाम: बादाम में विटामिन बी2, विटामिन ई, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो भोजन से ऊर्जा मिलने की प्रक्रिया में मदद करते हैं। ये शरीर को स्वस्थ और टिकाऊ ऊर्जा देते हैं, जिससे आप दिन भर सक्रिय रह सकते हैं। सहरी में कैलिफोर्निया बादाम को शामिल करना, चाहे उन्हें रात भर भिगोकर खाएं या स्मूदी में मिलाकर लें, लंबे समय तक रोज़ा रखने के दौरान ऊर्जा के स्तर को स्थिर बनाए रखने में मदद कर सकता है।

तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान

मार्च से मई तक भीषण गर्मी के आसार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • देश में इस वर्ष मार्च से मई के दौरान तीखी गर्मी पड़ने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार देश के अधिकांश हिस्सों में दिन और रात का तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। कई क्षेत्रों में लू (हीटवेव) के दिनों में भी बढ़ोतरी होने की आशंका जताई गई है। यह कलन मल्टी मॉडल एनसेंबल (एमएमई) प्रणाली और आईएमडी के मानसून मिशन क्लाइमेट फोरकास्ट सिस्टम पर आधारित है। मौसम विभाग के अनुसार प्री-मानसून अवधि में देश को अधिक ताप दबाव, कम वर्षा और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

मप्र में फरवरी में ही अप्रैल जैसी गर्मी- राजस्थान और मध्य प्रदेश में फरवरी माह में ही अप्रैल जैसी गर्मी महसूस की जा रही है। कई शहरों में तापमान 33 डिग्री के पार पहुंच गया। राजस्थान के बाड़मेर में अधिकतम तापमान 36.5 डिग्री दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश के खंडवा और खरगोन में तापमान 35.2 डिग्री तक पहुंचा। हरियाणा में भी अधिकतम तापमान 31 डिग्री से ऊपर दर्ज हुआ है। हालांकि मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है।

शनिधाम में मना फाग महोत्सव फूल, गुलाल से खेली भक्तों ने होली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • उषा नगर स्थित गजासीन शनिधाम पर फाग महोत्सव धूम धाम से आयोजित हुआ। महामंडलेश्वर दादू महाराज के सानिध्य में प्रसिद्ध भजन गायक पं. सौरभ दुबे (लाडला) द्वारा आज बृज में होली रे रसिया, रसिया को नार बनाओ री... सहित कई फाग भजनों की प्रस्तुति दी गई जिस पर भक्त आनंद के साथ झूमे। महोत्सव पश्चात आरती की गई तत्पश्चात प्रसाद वितरण हुआ। साथ ही 51 किलो ठंडाई भी वितरण की गई। कई किलो फूल व गुलाल से भक्तों ने फाग महोत्सव का आनंद लिया। इस अवसर पर प्रताप तोलानी, दीपक बाबा, पार्षद हरप्रीत कौर लूथरा, महापौर प्रतिनिधि भरत पारिख, सोनू अहिरवाल, मनोज हार्डिया, इंदू श्रीवास्तव, आशीष साहू, सहित कई श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

प्रदेश के वन राज्य ही नहीं राष्ट्र की भी हैं बड़ी धरोहर-डॉ. यादव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत@2047 के लक्ष्य की पूर्ति में प्रदेश की ओर से हर संभव योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके परिणामस्वरुप ही समृद्ध मध्यप्रदेश@2047 के लिए प्रदेश में सभी क्षेत्रों में समग्र विकास को दृष्टिगत रखते हुए कार्य किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के वन केवल राज्य ही नहीं अपितु राष्ट्र की अत्यंत महत्वपूर्ण धरोहर हैं। वर्ष 2047 में देश की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के दृष्टिगत प्रदेश के वन संसाधनों के संरक्षण, उनके समुदाय आधारित प्रबंधन और 21वीं सदी में भारत के पर्यावरणीय तथा विकास लक्ष्यों में वनों के योगदान संबंधी दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में जैव विविधता, समृद्ध सामुदायिक सहभागिता आधारित वन प्रबंधन की दीर्घकालिक रूपरेखा 'विजन@2047 री-इमैजिनिंग फॉरेस्ट रिसोर्सेस फॉर द क्लाइमेट रेसिलियंट फ्यूचर' महत्वपूर्ण डाक्यूमेंट है। मध्यप्रदेश, विविध और समृद्ध वनों से परिपूर्ण है। यहां घने वनों से लेकर अर्ध-शुष्क वन और नदी तटीय पारिस्थितिक तंत्र तक विद्यमान हैं। ये वन असंख्य वनस्पतियों और वन्य जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं तथा प्रमुख नदियों के उद्गम क्षेत्र बनकर लाखों लोगों की जल सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। प्रदेश के वन, जनजातियों एवं वन-आश्रित समुदायों की आजीविका का आधार हैं, जिनकी संस्कृति और पहचान, वन पारिस्थितिकी से परस्पर जुड़ी है। इन वनों की सुरक्षा केवल पर्यावरणीय दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक अनिवार्यता भी है। विजन@2047 इस विश्वास पर आधारित है कि केवल नियमन और संरक्षण पर आधारित पारंपरिक वन प्रबंधन पद्धतियाँ अब पर्याप्त नहीं हैं। बदलते वर्षा पैटर्न, बढ़ता तापमान, वनों में लगने वाली आग और भूमि उपयोग का दबाव व्यापक एवं दूरदर्शी समाधान की मांग करते हैं।

नागलवाड़ी में लिए जायेंगे अन्नदाताओं के हित में महत्वपूर्ण निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में मनाए जा रहे किसान कल्याण वर्ष में किसानों के हित में लगातार कार्य किया जा रहा है। हमारा यह संकल्प है कि प्रदेश के अन्नदाताओं को आत्म-निर्भर बनाते हुए उनकी आय को दोगुना किया जाये। इसी क्रम में सोमवार 2 मार्च को जनजातीय बहुल जिले बड़वानी के नागलवाड़ी में किसान कल्याण वर्ष की पहली कृषि कैबिनेट होने जा रही है। इस दिन नागलवाड़ी से ही सरकार किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेगी। राज्य सरकार का मंत्री-मंडल पूरा दिन नागलवाड़ी में रहेगा, जहाँ कृषि कैबिनेट सहित प्रबुद्धजन एवं किसानों के साथ संवाद होगा और कृषि एवं जनजातीय कल्याण पर केन्द्रित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

आयो फागुणीयो त्योहार कान्हा होली खेला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • आज बिरज में होली रे रसिया, होलिया में उड़े रे गुलाल डालो जी रंग केसरिया ,आयो फागणियो त्योहार कान्हा होली खेला रे जैसे फागुन के मस्ती भरे भजनों की धुन लगाते भजन सम्राट हरिकिशन साबू भोपू जी और केसरिया रंग एवं फूलों कि बौछार के बीच नृत्य करते श्रद्धालु श्री पद्मावती वेंकटेश देवस्थान विद्या पैलेस कॉलोनी पर आयोजित फाग उत्सव में आनंद उठा रहे थे। स्वामी जी श्री केशवाचार्य जी महाराज की पावन प्रेरणा से हुए इस रंगोत्सव पर श्रद्धालुओं ने जमकर फूलों की होली खेली। मंदिर समिति के मनोहर सोनी, हरिकिशन साबू, दिनेश अग्रवाल एवं नितिन तापड़िया ने बताया कि भोपू जी के भजनों की धुन की शुरुआत होते ही बसंती फागुन की बयार बहने लगी और और बसंती फागुन के भजनों पर श्रद्धालु इस बयार में मस्त होकर नाचने लगे । भगवान श्री वेंकटेश बालाजी का रंग बिरंगा श्रृंगार लाल पीले फूलों से किया गया और केसर एवं टेसू से बने रंगों का उपयोग कर बालाजी संग होली भक्तों के द्वारा खेली गई ।

पारंपरिक खेलों का भव्य आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नवाचार के अंतर्गत भारतीय पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने और उन्हें बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के तहत एक दिवसीय जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। जिला पंचायत इंदौर द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता रामबाग स्थित मल्हार सांदीपनि आश्रम में संपन्न हुआ जिसमें कबड्डी और पिट्ठू (सितौलिया) जैसे पारंपरिक खेलों में खिलाड़ियों ने अपना कौशल दिखाया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल की बारीकियों पर चर्चा की। इस अवसर पर जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रोजगार मेले का आयोजन, ढाई सौ से अधिक रिक्त पदों पर होगी भर्ती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मप्र के इंदौर जिले के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए 'युवा संगम' कार्यक्रम के तहत आज सुबह से दोपहर 03 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय परिसर (जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के पास) 10 पोलोग्राउंड इन्दौर में रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। रोजगार उप संचालक पीएस मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में युवाओं को करियर बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जाएगा। साथ ही स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण प्रक्रिया एवं आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा।

'युवा संगम' कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित कंपनियाँ जैसे इनोफ्लेक्स, टोरस बीपीओ, तीसवा टेक्नोलॉजीज सर्विसेज, जस्ट डायल, शेफाली बिज़नेस सोलूशन, मोज़ेक वाक्स्क़िल्ल प्राइवेट लिमिटेड आदि कंपनियाँ में 250 से अधिक रिक्त पदों की पूर्ति हेतु उपस्थित रहेंगी। इन कंपनियों में एचआर, सेल्स एक्जीक्यूटिव, टेली-कॉलर, ऑपरेटर, टीम लीडर, बैक ऑफिस, हेल्पर आदि रिक्त विभिन्न पदों पर आवेदकों का चयन किया जाएगा। कंपनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर आकर्षक वेतन पर प्रारंभिक चयन करेंगे।

महाराजा यशवन्त राव होल्कर की स्मृति में प्रतिष्ठा दिवस मनाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्रम जीवी सफाई कर्मचारी संघ, भारतीय मजदूर संघ से संबंध के अध्यक्ष सुरेश लाहोरे, चौधरी बलराम चिन्तामण उस्ताद, मुकेश गौसर, चौधरी चन्दन तेजी, ईश्वरलाल विश्नार, कुन्दन सांगेलिये, सतीश गौहर, दीपक लोट, अरुण विन्तामन, योगेश लोहारे, कमल नाहर, कालू चौहान ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी इन्दौर के महाराजा यशवंत राव होल्कर की स्मृति में । मार्च को प्रतिष्ठा दिवस मनाया गया। महाराजा यशवंत राव होल्कर ने सन् 1938 में आजादी के पूर्व नगर के समस्त सफाई कर्मचारियों, वाल्मिकी समाज को अष्ट अधिकार दिये गये थे, जैसे, छूआछूत, कुओं से पानी भरना, मंदिरों में प्रवेश देना, स्कूलों में भर्ती करना, नाईयों से दादी बनवाना तथा हरिजन कालोनी का निर्माण करना, जूना रिसाला, गाड़ी अड्डा, छावनी, भंवरकुआ, राज मोहल्ला, पलासिया आदि कालोनी बनवाना आदि कार्य किये। संस्था अध्यक्ष द्वारा एक विचार गोष्ठी का आयोजन भी रखा गया, जिसमें सतीश गौहर, चौधरी बलराम चिन्तामण ने महाराजा यशवन्तराव होल्कर के जीवन पर प्रकाश डाला।

इंदौर में खामेनेई की मौत का मातम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इंदौर के शिया समुदाय ने गहरा शोक और आक्रोश जताया है। देश में कश्मीर से लेकर कर्नाटक तक लोग सड़कों पर उतरे और अमेरिका इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इस घटना को मुस्लिम जगत के लिए बड़ी क्षति बताया है। कई शहरों में कैंडल मार्च निकाले गए और पुतले फूंके गए जिससे सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इंदौर में तो मातम मनाते लोग रोते नजर आए।

इंदौर में मातम मनाते लोगों के एक समूह को संबोधित करते हुए एक मौलाना ने कहा- कुछ को लग रहा है कि वो चले गए तो बात खत्म हो गई तो शायद आपने कुरान नहीं पढ़ी। कुरान में कहा गया है कि वो जो मिट्टी के नीचे चला गया है उसे मुर्दा मत समझना... वो जिंदा है। वो जिंदा है जो जमीन के नीचे चला गया। मुर्दा वो हैं जो जमीन पर चल रहे हैं। ऐसे लोगों का जमीर इतना मुर्दा हो गया है कि जालिम के खिलाफ आवाज नहीं निकाल पा रहे हैं। मौलाना ने आगे कहा कि अमेरिका और इजराइल तो पहले से ही मुर्दा हैं। मैं तो खुद उन मुसलमानों को मुर्दा कह रहा हूं जिन्होंने अमेरिका और इजराइल को यह इजाजत दी जिसके बाद अमेरिका ने उनको अड्डों को अपना ठिकाना बनाया और वहां से हमले किए।

ईरान संकट का असर : भारत में तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव, महंगाई और मैक्रो इकोनॉमिक दबाव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान संकट के बीच विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि भारत को तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और व्यापक मैक्रोइकोनॉमिक प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, देश की तेल आपूर्ति श्रृंखला पर फिलहाल कोई संरचनात्मक खतरा नहीं है।

विशेषज्ञों के अनुसार, हॉर्मुज जलसंधि से होकर भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा कच्चा तेल और एलएनजी आता है। इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने से ब्रेंट क्रूड की कीमतें सात महीने के उच्चतम स्तर, लगभग 73 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भूराजनीतिक जोखिम और महंगाई पर दबाव बढ़ा है। कंपोडिटी मार्केट एनालिस्ट कंपनी केप्लर के सुमित रितोलिया ने कहा कि प्रारंभिक असर कीमतों पर केंद्रित होगा, आपूर्ति पर फिलहाल दबाव नहीं है। उच्च ब्रेंट कीमतें, बढ़ी हुई फ्रेट दरें और युद्ध जोखिम बीमा लागत भारत के इंपोर्ट बिल को प्रभावित कर सकती हैं। लगभग 20% वैश्विक पेट्रोलियम और रूहल शिपमेंट हॉर्मुज जलसंधि के माध्यम से गुजरते हैं, जो इसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग बनाता है।

आईएमए इंटरनेशनल मैनेजमेंट कॉन्क्लेव संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • 33वें आई.एम.ए. इंटरनेशनल मैनेजमेंट कॉन्क्लेव 2026 के ऐतिहासिक समापन दिवस पर, विजय नगर, इंदौर स्थित ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर एक बार फिर विचारों, प्रेरणा और राष्ट्रीय दृष्टिकोण का केंद्र बन गया। 'इनोवेटिंग इंडिया: स्वदेशी, स्वाभाविक, स्वनिर्मित' की थीम को दिशा-दर्शक मानते हुए, इस कॉन्क्लेव में अंतरिक्ष तकनीक के अगुआओं से लेकर वित्तीय विशेषज्ञों, स्वास्थ्य समर्थकों, एच.आर. विशेषज्ञों और जाने-माने उद्यमियों तक — देश के सबसे प्रतिष्ठित दिमाग एक मंच पर इकट्ठा हुए। यह अंतिम दिन एक ऐसे संवाद का गवाह बना जिसकी गूंज आने वाले लंबे समय तक सुनाई देती रहेगी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 02 मार्च 2026

त्योहार पर नहीं रुकेगा सफर, होली पर 1100 बसें चलाने का बड़ा फैसला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नई परिवहन नीति को लेकर प्रस्तावित बस हड़ताल टलने से इंदौर के यात्रियों को होली पर बड़ी राहत मिली है। करीब 1100 बसें नियमित रूप से चलेंगी, रोज सफर करने वाले 40 हजार लोगों की चिंता खत्म हो गई है। होली का त्योहार नजदीक आते ही सबसे बड़ी चिंता होती है घर पहुंचने की। इस बार भी ऐसा ही माहौल बन गया था, जब इंदौर में बस हड़ताल की घोषणा ने हजारों यात्रियों की चिंता बढ़ा दी थी। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। सरकार और निजी बस संचालकों के बीच बनी सहमति के बाद हड़ताल टल गई है। इस फैसले का सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा। इंदौर से रोजाना चलने वाली करीब 1100 बसें अब होली के दौरान भी सड़कों पर दौड़ती नजर आएंगी। लगभग 40 हजार यात्री, जो रोज इन बसों से आसपास के जिलों और कस्बों तक सफर करते हैं, उन्हें अब त्योहार पर किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मध्य प्रदेश में नई परिवहन नीति को लेकर पिछले कई दिनों से निजी बस संचालकों और सरकार के बीच खींचतान चल रही थी। बस मालिकों का कहना था कि नई व्यवस्था लागू होने से उनके मौजूदा परमिट खत्म हो सकते हैं और छोटे ऑपरेटरों की रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा।

राज्य परिवहन उपक्रम के नाम पर सात नई कंपनियां बनाने और पीपीपी मॉडल के तहत नए परमिट देने की तैयारी ने बस संचालकों को चिंतित कर दिया था। इसी विरोध के चलते 2 मार्च से अनिश्चितकालीन बस हड़ताल का ऐलान किया गया था। लेकिन हाल ही में हुई बैठक में कई मुद्दों पर सहमति बन गई। सरकार ने 24 दिसंबर को जारी राजपत्र को फिलहाल रोकने का आश्वासन दिया। साथ ही फिटनेस सेंटर उपलब्ध न होने पर मैन्युअल फिटनेस की अनुमति और टैक्स व नामांतरण नियमों में बदलाव पर भी सकारात्मक संकेत दिए गए। इन फैसलों के बाद इंदौर में बस हड़ताल टाल दी गई।

होली पर 1100 बसें चलेंगी, यात्रियों के लिए क्या मायने-होली जैसे बड़े त्योहार पर बसों का बंद होना हजारों परिवारों के लिए बड़ी परेशानी बन सकता था। इंदौर से उज्जैन, देवास, धार, खंडवा, खरगोन, बड़वानी जैसे जिलों में रोज हजारों लोग सफर करते हैं। अब जब इंदौर में बस हड़ताल टल गई है, तो त्योहार पर घर जाने वालों को राहत मिली है। छात्र, मजदूर, नौकरीपेशा लोग और छोटे व्यापारी सभी के लिए यह फैसला राहत भरा है। बस संचालकों के अनुसार, त्योहार को देखते हुए अतिरिक्त फेरे भी लगाए जा सकते हैं। होली के पहले और बाद में यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना रहती है, इसलिए व्यवस्थाएं मजबूत रखने की तैयारी की जा रही है।

नई परिवहन नीति पर क्या बनी सहमति-नई परिवहन नीति को लेकर सबसे बड़ा विवाद परमिट व्यवस्था को लेकर था। बस मालिकों का कहना था कि पुराने परमिट खत्म कर नए टेंडर के जरिए परमिट देना छोटे और मध्यम ऑपरेटरों के लिए मुश्किल साबित हो सकता है। बैठक में सरकार और बस संचालकों के बीच कई अहम बिंदुओं पर सहमति बनी। तय हुआ कि 24 दिसंबर को जारी राजपत्र को फिलहाल रोक दिया जाएगा। जहां फिटनेस सेंटर उपलब्ध नहीं हैं, वहां बसों की मैन्युअल फिटनेस जांच की अनुमति दी जाएगी। साथ ही टैक्स और नामांतरण से जुड़े नियमों में सुधार करने पर भी सहमति बनी, जबकि मौजूदा बस संचालन व्यवस्था को अभी के लिए पहले की तरह ही जारी रखा जाएगा।

भोपाल की ताल के चौपाल से

सत्ता के गलियारों से फुसफुसाहटें... नाम नहीं, सिर्फ इशारे

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश की सत्ता के गलियारों में भ्रष्टाचार, प्रभाव और कुर्सी की राजनीति इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। आज के बोल हरि बोल में पढ़िए इन घटनाओं के बारे में विस्तार से... कुर्सियां बदलती हैं, चेहरे बदलते हैं, पर सत्ता की कहानियां नहीं बदलतीं। फाइलों के नीचे दबे सच, मीटिंगों में अटकी नैतिकता और फोन की घंटियों में उलझी प्रशासनिक मजबूरियां- यही है इस हफ्ते वरिष्ठ हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम बोल हरि बोल....

साहब, रशियन वाली बात जरा धीरे बोलते!

निगम के खजाने को भरने के लिए कमिश्नर साहब ने अफसरों की बैठक बुलाई। मामला उठा, एक बड़े मैरिज गार्डन और स्कूल संचालक का, जो टैक्स देने में सालों से संवेदनशील हैं। उपायुक्त साहब ने हाथ जोड़ दिए। उन्होंने कहा कि सर, इनसे ना टैक्स वसूल सकता हूं, ना अतिक्रमण तोड़ सकता हूं। कमिश्नर हैरान, क्यों भला? जवाब आया, बड़े लोग हैं साहब... ऊपर से फोन आते हैं... जजों तक के। और... रशियन लड़कियां भी सप्लाई करते हैं। बस... रशियन शब्द गिरा और मीटिंग की हवा निकल गई। कमिश्नर साहब ने पानी मांगा... और विषय बदल दिया। रेवेन्यू बढ़े या न बढ़े, प्रभाव का ब्याज जरूर बढ़ रहा है।

कुर्सी गई तो परिक्रमा भी गई

जब तक भाईसाहब बड़े पद पर थे, दरबार में भीड़ लगी रहती थी। चरणवंदना की प्रतिस्पर्धा चलती थी। पद गया... तो परिक्रमा भी गई। हालिया मातृशोक ने आईना दिखा दिया। वीवीआई सूची सिकुड़कर सच्चे परिचितों तक रह गई। जो दिन-रात कसीदे पढ़ते थे, वे अब व्यस्त हो गए। भाईसाहब समझ गए हैं। भीड़, कुर्सी की होती है... व्यक्ति की नहीं। हां, प्रतिभा है उनमें। बाउंस बैक करेंगे...लेकिन इस बार भ्रम कम और अनुभव ज्यादा होगा।

मंत्री से ज्यादा ओएसडी का करंट!

दो मंत्रियों के ओएसडी इन दिनों हाई वोल्टेज पर हैं। निवेशक मंत्री से मिल लें, पर काम तभी होगा जब ओएसडी प्रसन्न हों। सवाल उठ रहा है, मंत्री नियंत्रण में हैं या नियंत्रण कहीं और है मामला सूबे के मुखिया तक पहुंच चुका है। अब देखना है करंट कम होगा या सर्किट बदलेगा।

भ्रष्टाचार का इनाम- बड़ी कलेक्टरी!

बुंदेलखंड के एक कलेक्टर पर भ्रष्टाचार के आरोपों की फाइल हल्की नहीं। एसईआर की ढाल थी, सो हटे नहीं। अब चर्चा है, सजा नहीं, बल्कि कमाऊ जिले की कलेक्टरी मिलने वाली है। अंदरखाने फुसफुसाहट है। साहब की मैडम आईआरएस हैं... प्रभावशाली भी। इच्छा है कि साहब पास ही पोस्ट हों। सिस्टम में आरोप कभी-कभी सीढ़ी भी बन जाते हैं। यह सत्ता का संसार है साहब... यहां सच फाइल में रहता है और प्रभाव फोन पर। हम तो बस इशारा करते हैं, बोल हरि बोल... बाकी आप समझदार हैं।

हर थिएटर कलाकार अपने आप में स्टार है : स्वानंद किरकिरे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हर थिएटर कलाकार अपने आप में स्टार होता है। ज़िंदगी में चाहे जो करें, साथ में थिएटर चलता रहे। युवा पीढ़ी के कलाकार अपनी साहित्य की समझ को और बेहतर करने के लिए खूब पढ़ें। ये बातें सुप्रसिद्ध गीतकार, गायक एवं अभिनेता श्री स्वानंद किरकिरे ने शहर के रंगकर्मियों से कहीं। अभिनव कला समाज सौजन्य भेंट के लिए पधारे स्वानंद किरकिरे को जब पता चला कि परिसर में ही सूत्रधार की वार्षिक नाट्य प्रतियोगिता के अंतर्गत एकल स्पर्धा चल रही है तो वे सत्यनारायण व्यास के छोटे से आग्रह पर ही रंगकर्मियों को अपना परिवार मानकर उनके बीच अनौपचारिक अंदाज़ में आकर यह साबित कर दिया कि वे भले ही अन्य क्षेत्रों में कितने भी सफल हो गए हों, लेकिन उनके दिल के भीतर का रंगकर्मी अभी भी वैसा ही है। उन्होंने कहा कि थिएटर के लिए एनएसडी करना ज़रूरी है, ज़िन्दगी में जहाँ रहें, जो करें उसके साथ थिएटर करें। किरकिरे ने स्पर्धा के निर्णायक सुशील जौहरी एवं अन्य रंगकर्मियों के साथ इंदौर में अपने आरंभिक थिएटर के दिनों को शिद्दत से याद किया।

स्मार्ट सिटी की ओर बढ़ रहे इंदौर के 310वें स्थापना दिवस पर आज एवं कल होंगे विभिन्न आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देश के सबसे स्वच्छ शहर के अलंकरण से 8 बार विभूषित हो चुके और स्मार्ट सिटी की दिशा में तेजी से बढ़ रहे इंदौर नगर का 310वां स्थापना दिवस 2 एवं 3 मार्च को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान पहले दिन सोमवार को दौलतगंज एवं चंपाबाग स्थित इंदौर के प्रथम शासक राव राजा नन्दलाल मंडलोई एवं अन्य शासकों की छत्रियों का पूजन तथा 3 मार्च की शाम को बड़ा रावला जूनी इंदौर पर रंगारंग आतिशबाजी की जाएगी।

इंदौर स्थापना दिवस समारोह समिति के प्रमुख एवं राव राजा नन्दलाल मंडलोई के वंशज युवराज वरदराज मंडलोई ने बताया कि दो दिवसीय इस महोत्सव में सोमवार को सुबह शहर के प्रथम शासक राव राजा राव नंदलाल मंडलोई की दौलतगंज एवं चंपाबाग़ स्थित छत्रियों पर परिजनों एवं स्नेहीजनों द्वारा पूजन, गणेशजी एवं गादी पूजन तथा शाम को होलिका दहन के आयोजन होंगे। मगलवार 3 मार्च को मुख्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जूनी इंदौर बड़ा रावला स्थित पैलेस भवन पर शाम 7 बजे रंगारंग आतिशबाजी भी होगी। युवराज वरदराज मंडलोई एवं समिति के संयोजक हेमेन्द्र पाठक ने कहा कि 3 मार्च 1716 को इंदौर के व्यापार को कर मुक्त बनाने के लिए राव राजा राव नंदलाल मंडलोई ने न केवल तत्कालीन रियासतों के राजाओं से संधि की बल्कि देश में सबसे पहले इंदौर के नन्दलाल पुरा के व्यापार को टेक्स फ्री ज़ोन बनाने का श्रेय भी उनके ही खाते में जाता है। तब नन्दलाल पुरा ही पूरे परगने के कारोबार का मुख्य केंद्र था और इसे बसाने के लिए राजा ने आसपास के अनेक छोटे-बड़े व्यापारियों को भी इंदौर आकर कारोबार करने का न्योता दिया था। जयपुर का विकास सन 1730 में प्रारंभ हुआ जबकि इंदौर का सन 1703 में ही राजधानी बनने के साथ ही शुरू हो गया था। जिन शासकों से इंदौर के कारोबार को टेक्स फ्री करने की संधि की गई थी उनमें जयपुर के राजा सवाई जयसिंह भी शामिल थे और इंदौर के विकास को देखकर उन्होंने भी जयपुर के विकास का काम शुरू किया था।

कबीर महोत्सव में गूँजे संत कबीर के विचार; समाज की एकजुटता और शिक्षा पर दिया जोर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●सतना जिले के ग्राम भटिया मौहार में 'कबीर महोत्सव' का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें सामाजिक समरसता के भाव? के साथ विभिन्न समाज के समाजबंधुओं ने भाग लिया।अखिल भारतीय कोली समाज (रजि.) नईदिल्ली शाखा मध्यप्रदेश की सतना शाखा के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के उत्थान, शैक्षणिक जागृति और राजनीतिक चेतना पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत संत कबीर दास जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस महोत्सव के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कोली समाज के राष्ट्रीय महासचिव डी.पी. शंखवार रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष महेश उमरैया ने की। अतिथियों का स्वागत नवनियुक्त जिला अध्यक्ष राजा भैया कोरी और प्रदेश उपाध्यक्ष बीएल कोरी द्वारा गर्मजोशी के साथ किया गया। महोत्सव में प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष प्रकाश महावर कोली, अमरदीप कंसोरिया, प्रदेश महामंत्री दिलीप देवरिया, नगर परिषद अध्यक्ष सुखमंतीबाई और जिला पंचायत अध्यक्ष राम खिलावन कोल एवं वरिष्ठ पत्रकार देवीप्रसाद वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जती कॉलोनी स्थित सीमंधर स्वामी जिनालय पर जीवंत हो उठा पालीताणा तीर्थ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●जती कॉलोनी, रामबाग स्थित सीमंधर स्वामी जिनालय पर फागुन सुदी तेरस के उपलक्ष्य में रविवार को सुबह सिद्धांचल तीर्थ की प्रतिकृति की साक्षी में विशेष भाव यात्रा, आराधना एवं पाल भक्ति का अनूठा आयोजन सौल्लास सम्पन्न हुआ जिसमें गुजरात स्थित पालीताणा तीर्थ जीवंत हो उठा। इस अवसर पर आगम-प्रशम ब्रजरत्न सागर म.सा. की पावन निश्रा में धर्म सभा में समाज बंधुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर पालीताणा की भाव यात्रा का पुण्यलाभ उठाया। श्री अर्बुद गिरिराज जैन श्वेताम्बर तपागच्छ उपाश्रय ट्रस्ट पीपली बाजार की मेजबानी में आयोजित इस भाव यात्रा में मुनिराज ब्रजरत्न सागर म.सा. ने सिद्धांचल तीर्थ की महिमा बताते हुए कहा कि हम सब लोगों को गर्व होना चाहिए कि हमारे पास सिद्धांचल जैसा शाश्वत तीर्थ स्थल है। पालीताणा तीर्थ में आज के दिन असंख्य मुनियों ने मोक्ष प्राप्त किया था। लाखों लोग वहां 27 किलोमीटर की 6 गांवों की यात्रा बड़े उत्साह एवं भक्ति भाव के साथ करते हैं लेकिन अनेक लोग पालीताणा नहीं जा पाते हैं इसलिए इंदौर में ट्रस्ट की ओर से यह अनूठा आयोजन किया गया।

इंदौर मनी मेला-09 के सफल आयोजन हेतु गिरीश शर्मा एवं विराज भार्गव का सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर फिलेटेलिक एवं इंदौर न्यू मिस्मेटिक सोसाइटी की संयुक्त मासिक सभा रविवार को रीगल तिराहा स्थित इंडियन कॉफी हाउस पर जीपीओ की फिलेटेलिक प्रमुख रही श्रीमती आशा राव के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। उन्होंने इंडफील-ई मैगज़ीन तथा न्यू मिस्मेटिक कॉइन क्रानिकल के मार्च अंकों का लोकार्पण भी किया जिसका संपादन इंजी. चिराग त्रिवेदी ने किया है।

बैठक में विशेष रूप से इंदौर मनी मेला-09 के सफल आयोजन के लिए गिरीश शर्मा आदित्य एवं विराज भार्गव को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रारंभ में नरेन्द्र अग्रवाल ने सभा शुरू करने की घोषणा की। स्वास्थ्य प्रार्थना प्रो. शिवम चतुर्वेदी ने की और स्वागत उद्बोधन सुरेन्द्र मूल्ये ने दिया। इस अवसर पर रवीन्द्र कुमार व्यास ने विदेशी पेपर मुद्रा का प्रदर्शन कर उसकी दिलचस्प जानकारी भी प्रदान की। अध्यक्ष रवीन्द्र नारायण पहलवान, मेजर महेश कुमार गुप्ता ने सदस्यों को उपहार भेंट किए। सुरेन्द्र मूल्ये ने बाजार पोस्टकार्ड एवं फिलेटेलिक एक्जीबिट का प्रदर्शन कर अपने विचार रखे। सभा में मुकेश पाटीदार, राजेश शाह सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। संचालन कार्यकारी अध्यक्ष राजेश शाह ने किया। अंत में आभार माना चिराग त्रिवेदी ने।

भगवान व्यक्ति के कर्मों से ही होते है प्रसन्न : पं. नीरज कृष्ण नयन महाराज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जहां भागवत कथा होती है वह वृंदावन धाम बन जाता है, भगवान श्रीकृष्ण जगतपति है,हमेशा जगतपति रहेंगे,जिस दिन मनुष्य को कृष्ण से प्रेम हो जायेगा उस दिन उसको पूरी दुनिया से मोह खत्म हो जाएगा,जीवन में भक्ति के मार्ग पर ही चले और भक्ति के मार्ग को ही चुने,कलयुग में मानसिक पुण्य लगते हैं मानसिक पाप नहीं लगते हैं, भागवत का फल इतना है जो व्यक्ति अगर सच्चे मन से श्रवण करता है उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है, युवाओं को जीवन में स्वर्णिम अवसर कभी नहीं छोड़ना चाहिए, युवा अगर समय का सही सदुपयोग करे तो हमेशा हमेशा के लिए तर जाएंगे, जो कन्हैया की शरण में आ जाते हैं उनका उद्धार जरूर होता है,भगवान व्यक्ति के कर्मों से ही प्रसन्न होते है। यह बाते पंडित नीरज कृष्ण नयन महाराज ने विश्व ब्राह्मण समाज संघ द्वारा ऊषा नगर स्थित उषा राजे परिसर पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन कही।

आयोजन प्रमुख श्रीमती जया मिलिंद तिवारी और संयोजक योगेंद्र महंत ने बताया कि श्रीकृष्ण रूक्मणी विवाह महोत्सव धूमधाम से मनाया गया,जैसे ही कृष्ण और रुक्मणी ने एक दूजे को वरमाला पहनाई समूचा कथा स्थल भगवान के जयघोष से गूंज उठा। हजारों महिलाएं थिरक उठीं। भक्तों ने पुष्प वर्षा कर उत्सव का आनंद लिया। विवाह से पहले बरात बड़ी धूमधाम से निकली गई जिसमे महिलाएं नाचते गाते हुए शामिल हुए,सभी भक्तों झूम उठे, कथा सुनने बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद थे। व्यासपीठ का पूजन महापौर पुष्यमित्र भार्गव,भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, पं.अंकित जोशी युवराज,भारत पारिख,रितेश शर्मा,विकास मिश्रा, सुनील जैन बबलू, प्रियंक शर्मा, आर के दलाल,मनीष शर्मा सहित अन्य व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क:94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

अंधविश्वास की बलि चढ़ती मानवता, जादू-टोने के नाम पर हिंसा और कानून की लाचारी

विज्ञान के युग में अंधविश्वास के कारण हो रही हिंसा चिंताजनक है। झारखंड में डायन बताकर हत्याएं, वैज्ञानिक चेतना के प्रसार की आवश्यकता को दर्शाती हैं। आधुनिक दौर में विज्ञान और तकनीक की मदद से पृथ्वी से लेकर अंतरिक्ष तक प्रगति के नए आयाम गढ़े जा रहे हैं। मगर समाज का एक हिस्सा अब भी अंधविश्वास के अंधकार से बाहर नहीं निकल पा रहा है। इस तरह की सोच जहां व्यक्तिगत जीवन में परेशानियों के द्वार खुले रखती है, वहीं कई बार यह हिंसा का कारण भी बनती है। खासकर जादू-टोने के अंधविश्वास में नियम-कानूनों को ताक पर रखकर निर्दोष लोगों की हत्या कर देने या सार्वजनिक तौर पर किसी को अपमानित करने या फिर भीड़ हिंसा में किसी की बेरहमी से पिटाई करना आम बात हो गई है। देश के कई हिस्सों से डायन बता कर महिलाओं की हत्या के मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ समय के दौरान झारखंड में ऐसी लगातार कई घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में झारखंड के गुमला में जादू-टोना करने के संदेह में एक महिला की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई। सवाल है कि इस तरह के अंधविश्वास को खत्म करने और इससे जुड़ी हिंसा पर अंकुश लगाने के लिए सरकार से लेकर सामाजिक स्तर पर गंभीरता से प्रयास क्यों नहीं हो पा रहे हैं? इसमें दोराय नहीं कि चाहे गांव हो, या शहर हर जगह समाज के एक हिस्से में अंधविश्वास की छाया नजर आती है। आज जब देश और दुनिया विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में कोसों आगे निकल गए हैं, तब महज अंधविश्वास की वजह से किसी के बीमार होने पर चिकित्सीय इलाज कराने के बजाय जादू-टोने का सहारा लेना किस तरह की सोच को दर्शाता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि विकास के तमाम दावों के बीच देश में सामाजिक स्तर पर वैज्ञानिक चेतना के प्रसार को लेकर शासन-प्रशासन की ओर से अब तक गंभीर प्रयास नहीं हुए हैं। जबकि देश में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रचार एवं प्रसार को प्रोत्साहित करने का दायित्व सरकार और समाज सभी पर है। हालांकि, कुछ राज्यों में अंधविश्वास से जुड़े अपराध पर नियंत्रण पाने के लिए कानून बनाए गए हैं, लेकिन उन पर कड़ाई से अमल और लोगों में जागरूकता पैदा करने से ही इस समस्या का समाधान संभव हो सकता है।

यह युद्ध नहीं, मानवता का सार्वजनिक दाह-संस्कार है

● विश्व राजनीति की शतरंज और इंसानियत की बलि

● धर्मग्रंथ खुले हैं, लेकिन नीति और राजनीति में करुणा कहीं खो गई

मध्य पूर्व की धरती आज बारूद नहीं, मानो जलती हुई मानवता की गंध से भर उठी है। अमेरिका, ईरान और इज़राइल के बीच यह अब केवल सीमाओं का टकराव नहीं—खामेनेई के नाम के साथ सिमटती ईरानी सत्ता ने दुनिया की हर धड़कन पर अनिश्चितता का ट्रिगर दबा दिया है। बस एक चिंगारी, और सभ्यता विश्व युद्ध की अंधी खाई में धकेली जा सकती है। शहर धधकती चिताओं में बदल रहे हैं, आसमान में मिसाइलें हैं, और ज़मीन पर मासूमों का लहू। इसके बावजूद वैश्विक मंचों पर शब्दों का धुआँ उठता है, संकल्पों की राख उड़ती है, पर साहस की ज्वाला कहीं नहीं दिखती। हमारी चुप्पी इस हिंसा की सबसे भरोसेमंद संरक्षक बन चुकी है। हम सुरक्षित कमरों में बैठकर दृश्य देखते हैं, यह भूलकर कि लपटें कभी दीवारों और नक्शों से नहीं डरतीं। सवाल गूंजता है—आखिर हम चाहते क्या हैं? शांति, या ऐसा भविष्य जहाँ बच्चों की पहली आवाज़ रोने की नहीं, धमाकों की हो?

मानवीय संकट का यह चेहरा किसी भी जीवित अंत:करण को तोड़ देने के लिए पर्याप्त है। अस्पतालों में दवाओं से ज्यादा चीखें हैं, शरण शिविरों में उम्मीद से ज्यादा हताशा पसरी है। माताएँ अपने बच्चों को सीने से चिपकाए आग बरसाते आसमान को ताकती हैं, जैसे ईश्वर से उत्तर मांग रही हों—क्यों? इज़राइल की गलियों में सायरनों की तीखी पुकार है, ईरान के मुहल्लों में धुएँ का घना अंधकार, और अमेरिकी सैनिकों की आँखों में डगमगाता विश्वास। यह केवल भूगोल की जंग नहीं, यह आने वाले कल का योजनाबद्ध संहार है। शरणार्थियों की पंक्तियाँ सीमाएँ पार कर रही हैं, अर्थव्यवस्थाएँ काँप रही हैं, और पर्यावरण जहरीले धुएँ में घुट रहा है। फिर भी विश्व समुदाय की प्रतिक्रिया नपी-तुली, कूटनीति में कैद और संवेदना से रिक्त दिखाई देती है। क्या हमारी संवेदनाएँ इतनी सस्ती हो चुकी हैं कि आँकड़ों में बदलती लाशें हमें सामान्य लगने लगी हैं?

हम सब अपने-अपने धर्मों को श्रद्धा से मानते हैं, अपने-अपने पवित्र ग्रंथों को आदर से पढ़ते और सुनते हैं। कोई कुरान की आयतों में रहमत खोजता है, कोई बाइबिल में प्रेम का आलोक, कोई तोराह में न्याय की पुकार, कोई गीता में कर्तव्य का मार्ग। हर ग्रंथ करुणा, संयम और मानवता की बात करता है। फिर यह कैसा रास्ता है जिस पर चलकर हम खून की धाराओं को बहने दे रहे हैं? यदि ईश्वर एक है, तो उसके नाम पर उसके बंदे इतने टुकड़ों में क्यों बंटे हैं? यदि प्रार्थनाएँ शांति के लिए उठती हैं, तो फैसले युद्ध के पक्ष में क्यों गिरते हैं? हम धर्म को अपनी पहचान की ढाल बना लेते हैं, पर उसके मूल संदेश को पीछे छोड़ देते हैं। आखिर हम चाहते क्या हैं—ईश्वर की सच्ची उपासना या सत्ता की प्यास में इंसानियत की आहुति?

वैश्विक चुप्पी का यह अपराध समय की दीवारों पर दर्ज होकर रहेगा। संयुक्त राष्ट्र की बैठकों में शब्द गूँजते हैं, प्रस्ताव बनते हैं, पर धरती पर गोलियों की बरसात थमती नहीं। शक्तिशाली राष्ट्र अपने-अपने हितों की शतरंज बिछाए बैठे हैं; कोई तेल की चाह में, कोई प्रभुत्व की लालसा में, कोई सुरक्षा के आवरण में। मीडिया कुछ दिन कोलाहल करता है, फिर अगली सनसनी की ओर मुड़ जाता है। सोशल मीडिया पर हैशटैग उफान लेते हैं, पर बदलाव की ठोस लहर नहीं उठती। क्या 1945 के बाद जिस शांति का संकल्प लिया गया था, वह केवल इतिहास की किताबों तक सिमट गया? परमाणु आशंका की छाया फैल रही है, आतंक की जड़ें और गहरी हो रही हैं। हमारी चुप्पी इस धधकती आग को निरंतर हवा दे रही है।

दुनिया की जवाबदेही केवल सत्ताओं की चौखट तक सीमित नहीं, वह हर नागरिक के विवेक पर भी टिकी है। हम चुनावी मंचों पर विकास की दुहाई देते हैं, पर युद्ध को कभी निर्णायक प्रश्न नहीं बनाते। सस्ते ईंधन पर मुस्कुराते हैं, पर उसकी कीमत में घुली रक्तरंजित राजनीति पर चुप्पी साध लेते हैं। हथियारों के सौदे बढ़ते हैं, और हम शेयर बाज़ार की छलांग पर तालियाँ बजा देते हैं। क्या सच में हम निर्दोष हैं? हर खरीदी गई सुविधा, हर टाला गया प्रश्न, हर अनदेखा अन्याय इस त्रासदी की जंजीर की एक कड़ी है। यदि शांति हमारी सच्ची चाह है, तो हमारी आवाज़ नीतियों के दरवाज़े तक पहुँचनी ही होगी। वरना आने वाली पीढ़ियाँ कठोर स्वर में पूछेंगी—जब पृथ्वी धधक रही थी, तब आप किसके साथ खड़े थे?

भावनाओं की उस आग को महसूस कीजिए जो हर विस्फोट के साथ दिलों में भड़क उठती है। एक ईरानी माँ की चीख, एक इज़राइली बच्चे की सहमी हुई आँखें, एक अमेरिकी सैनिक का मौन— इन सबमें एक ही मानव पीड़ा है। दर्द का कोई मजहब नहीं, आँसू की कोई सीमा नहीं होती। सभ्यताएँ दरक रही हैं, पीढ़ियाँ आघात के साये में बड़ी हो रही हैं। यह टकराव केवल वर्तमान को नहीं, आने वाले दशकों को भी घायल कर रहा है। क्या हम इतने पत्थर हो चुके हैं कि परायी पीड़ा हमें हिला नहीं पाती? या हमने अपने भीतर की करुणा को सुविधाओं के बदले बेच दिया है? आखिर हम चाहते क्या हैं—ऐसी विरासत जहाँ नफरत ही अगली पीढ़ी की पहचान बने?

यह समय केवल शोकगीत गाने का नहीं, आत्ममंथन का है। यदि संकल्प हो तो संवाद किसी भी बम से अधिक प्रभावशाली हो सकता है। यदि नीयत साफ हो तो सहानुभूति किसी भी प्रतिबंध से अधिक परिवर्तनकारी सिद्ध हो सकती है। मानवीय सहायता, निष्पक्ष मध्यस्थता और निर्भीक नेतृत्व—यही वे पुल हैं जो हमें इस खतरनाक दहलीज से पीछे ला सकते हैं। धर्मों की सच्ची शिक्षाएँ अमल मांगती हैं, केवल उद्धरण नहीं। यदि अपने ग्रंथों का सम्मान सचमुच करते हैं, तो करुणा को नीतियों की धुरी बनाना होगा। अब चुप रहना विकल्प नहीं, स्पष्ट अपराध है। इतिहास गवाह है कि उदासीनता भी विनाश की सहभागी होती है।

जब इतिहास की दीवारों पर युद्ध की परछाइयाँ काँपने लगें और सभ्यता स्वयं अपनी साँसों की आवाज़ सुनने लगे, तब सबसे असहज प्रश्न सीने पर दस्तक देता है—आखिर हम सच में चाहते क्या हैं? मध्य पूर्व की यह दहकती आग पूरे विश्व को निगलने की क्षमता रखती है, यदि हम अब भी सुविधा की चादर ओढ़े चुप बैठे रहें। शांति कोई आदर्शवादी सपना नहीं, बल्कि अस्तित्व की आवश्यकता है। हमें तय करना होगा कि हम तमाशबीन रहेंगे या परिवर्तन के प्रहरी बनेंगे। अपनी आवाज़ उठाना, मानवीय मूल्यों के पक्ष में खड़ा होना, और युद्ध की स्वार्थी राजनीति को अस्वीकार करना—यही हमारी जिम्मेदारी है। वरना आने वाला कल हमें क्षमा नहीं करेगा। चुप्पी तोड़िए, क्योंकि कई बार एक निर्भीक स्वर ही इतिहास की दिशा बदल देता है। भावनाओं की आग में जलकर जागिए, क्योंकि कल बहुत देर हो सकती है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत',
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

सांसद ने पहनी आदिवासी वेशभूषा, संस्कृति बचाने पर जोर; लोगों में भगोरिया का उत्साह

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● भगवानपुरा में भगोरिया हाट का आयोजन किया गया। इस दौरान लोग रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में पहुंचे और झूले-चकरी का आनंद लिया। हाट में बांसुरी की मधुर धुनें भी सुनाई दीं। शाम 5 बजे के बाद हाट में भीड़ बढ़ गई। बाजार में आदिवासियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और जमकर खरीदारी की। इस आयोजन में कांग्रेस विधायक केदार डाबर और पूर्व भाजपा विधायक जमनासिंह सोलंकी भी शामिल हुए। उन्होंने समाज के लोगों के बीच पहुंचकर मांदल बजाई। वहीं, सांसद गजेंद्रसिंह पटेल आदिवासी वेशभूषा में सिरवेल हाट पहुंचे। उन्होंने वहां समाजजनों को गुलाल लगाकर पर्व की बधाई दी। प्राचार्य डॉ. प्रकाश वास्कले ने कहा कि आदिवासी अंचल में लोक पर्व भगोरिया को लेकर

खासा उत्साह है। उन्होंने लोगों से अपनी पारंपरिक वेशभूषा और संस्कृति को बचाने का आग्रह भी किया। इस दौरान लोगों ने होली के लिए भी खरीदारी की।

किशोर कुमार की धरोहर 'गीता भवन' में बदलने की तैयारी, गौरीकुंज कला मंदिर बदलेगा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● किशोर कुमार की जन्मभूमि खंडवा में उनकी एक और धरोहर को लेकर बहस छिड़ गई है। उनके माता-पिता की स्मृति में बने 'गौरीकुंज कला मंदिर' सभागृह को नगर निगम अब 'गीता भवन' के रूप में विकसित करने की तैयारी में है। जगह के अभाव का हवाला देते हुए निगम ने नए भवन के बजाय मौजूदा गौरीकुंज के जीर्णोद्धार का प्रस्ताव तैयार किया है। किशोर प्रेमियों का कहना है कि, पहले ही किशोर दा का पैतृक बंगला उपेक्षा का शिकार है, ऐसे में अब गौरीकुंज की मूल पहचान बदलना शहर की सांस्कृतिक विरासत के साथ समझौता होगा। प्रदेश सरकार हर जिले में सांस्कृतिक गतिविधियों और विद्यार्थियों के लिए अध्ययन केंद्र उपलब्ध कराने 'गीता भवन' का निर्माण करा रही है। नगरीय विकास विभाग द्वारा इसके लिए 20 करोड़ रुपए तक की लागत का प्रावधान है। खंडवा में नई जमीन उपलब्ध न होने के कारण निगम ने गौरीकुंज सभागृह में करीब 2

करोड़ रुपए की लागत से जीर्णोद्धार कर वहां लाइब्रेरी, रीडिंग रूम और कैफेटेरिया विकसित करने की योजना बनाई है। इसका संचालन पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड पर किया जाएगा। खंडवा के कलाकारों को मंच देने के उद्देश्य से किशोर कुमार अपने पिता कुंजलाल गांगुली, माता गौरीदेवी के नाम पर एक ऑडिटोरियम बनाना चाहते थे। इसी उद्देश्य से वर्ष 1982 में 'किशोर नाइट' का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम से प्राप्त राशि को 'लोक कल्याण परिषद' के माध्यम से निर्माण के लिए समर्पित किया गया। इधर, जून 1983 में उनके बड़े भाई और अभिनेता अशोक कुमार ने तत्कालीन राज्य मंत्री तनवंतसिंह कीर के साथ इसका शिलान्यास किया था। किशोर कुमार के निधन के बाद निर्माण कार्य अटक गया। 1995 में निगम परिषद बनने के बाद फिर प्रयास शुरू हुए। 1998 में 4 अगस्त को लोकार्पण तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने किया था। इस दौरान अभिनेता राजेश खन्ना, लीना चंदावरकर, गायक अमित कुमार मौजूद थे। गौरीकुंज कला मंदिर का साल 2009 में जीर्णोद्धार कर 'गौरीकुंज सभागृह' नाम दिया गया। अब ऐतिहासिक सभागृह को 'गीता भवन' के रूप में विकसित करने की तैयारी है, तो शहर में दो मत उभर रहे हैं। नगर निगम इस भवन के कायाकल्प और बेहतर उपयोग की दिशा में कदम मान रहा है। वहीं किशोर प्रेमियों का कहना है कि, इससे किशोर दा की स्मृति और मूल सांस्कृतिक पहचान कमजोर होगी।

जलकर वसूली के लिए ग्रामीणों को दिया प्रशिक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● कसरावद विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में नलजल योजनाओं के बेहतर संचालन और जल प्रबंधन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से ग्रामीणों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पीएचई के कार्यपालन यंत्री राहुल सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में यह पहल संचालित की जा रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ग्राम जल समितियों, महिला स्व-सहायता समूहों, सरपंच-सचिव, रोजगार सहायकों, वाटरमैन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों एवं ग्रामीणों को नलजल योजनाओं के संचालन, जलकर वसूली तथा पेयजल की गुणवत्ता जांच संबंधी जानकारी दी जा रही है। भग्यापुर और ससाबड़ में प्रशिक्षण सत्र में ब्लॉक समन्वयक सुभाष यादव एवं रविकांत चौहान ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

खंडवा-भुसावल के बीच चलेगी 6 फेरे होली स्पेशल मेमू, बुरहानपुर, नेपानगर समेत 5 स्टेशनों पर रुकेगी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● मध्य रेलवे ने होली के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए खंडवा-भुसावल के बीच छह फेरे वाली होली स्पेशल मेमू ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन खंडवा-सनावद के बीच चल रही मेमू के रैक का उपयोग करेगी। यह विशेष अनारक्षित मेमू ट्रेन 1 मार्च से 4 मार्च 2026 तक संचालित की जाएगी। मध्य रेल समिति सदस्य मनोज सोनी ने बताया कि इस पहल से रेल यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। यह मेमू ट्रेन नेपानगर, बुरहानपुर, रावेर, निंभोरा और सावदा स्टेशनों पर रुकेगी, जिससे इन क्षेत्रों के यात्रियों को लाभ होगा।

खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल लगातार मध्य रेलवे मुंबई के महाप्रबंधक और भुसावल के डीआरएम से मांग कर रहे थे। उन्होंने सुझाव दिया था कि खंडवा में कई घंटों तक मेमू का रैक खाली खड़ा रहता है, जिसका उपयोग फेरे बढ़ाकर किया जाना चाहिए। सांसद पाटिल ने मध्य रेलवे के इस निर्णय की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि आगामी समय में भुसावल से खंडवा और आगे सनावद तक एक अतिरिक्त फेरा स्थायी रूप से बढ़ाया जाए। गाड़ी संख्या 01102 अनारक्षित विशेष ट्रेन भुसावल से 2, 3 और 4 मार्च 2026 को सुबह 5:50 बजे प्रस्थान करेगी और खंडवा स्टेशन पर सुबह 7:55 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, गाड़ी संख्या 01101 अनारक्षित विशेष ट्रेन खंडवा से 1, 2 और 3 मार्च 2026 को शाम 5:10 बजे प्रस्थान करेगी और भुसावल स्टेशन पर रात 8:00 बजे पहुंचेगी।

विज्ञान नवाचार और विकास की आधारशिला, कॉलेज में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● सैफी गोल्डन जुबली कादरिया कॉलेज में शनिवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विज्ञान मॉडलों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई। इन मॉडलों में नवीन तकनीक, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल नवाचार और दैनिक जीवन में विज्ञान के उपयोग को दर्शाया गया था, जो विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर हर्ष सिंह थे। विशिष्ट अतिथियों में मंगलम कलापत्तु उद्योग केंद्र के मेहुल श्राफ, कॉलेज प्रबंधन समिति सचिव मुल्ला अली असगर टाकलीवाला, वरिष्ठ सदस्य मंसूर भाई सेवक और

कॉलेज प्राचार्य प्रो. मोहम्मद इस्माईल बफाती शामिल थे। कलेक्टर हर्ष सिंह ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विज्ञान मॉडलों का अवलोकन किया और उनकी सराहना की। उन्होंने छात्रों को विज्ञान और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी और उनका लाभ उठाने का आह्वान किया।

जनअभियान परिषद के 70 विद्यार्थी बने सड़क सुरक्षा के 'सैनिक' ट्रैफिक थाने में दिया प्रशिक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● सड़क सुरक्षा को लेकर एक सार्थक पहल देखने को मिली। मप्र जन अभियान परिषद के तहत बीएसडब्ल्यू और एमएसडब्ल्यू के करीब 70 विद्यार्थियों ने ट्रैफिक थाने का दौरा किया। यह केवल औपचारिक भ्रमण नहीं था, बल्कि ट्रैफिक व्यवस्था को जमीनी स्तर पर समझने और समाज में जागरूकता फैलाने की तैयारी का हिस्सा था। विद्यार्थियों ने स्पष्ट किया कि वे अब सड़क सुरक्षा के प्रति सक्रिय भूमिका निभाएंगे। ट्रैफिक डीएसपी अनिल राय ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि ट्रैफिक पुलिस का मकसद सिर्फ चालान काटना नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकना और लोगों की जान बचाना है। इस दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव, ओवरस्पीडिंग, नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही नियम तोड़ने पर होने वाली कानूनी कार्रवाई, जुर्माने और सजा के प्रावधानों की भी जानकारी दी गई। यातायात सूबेदार धर्मेंद्र गौड़ ने विद्यार्थियों को सड़क पर लगे ट्रैफिक संकेतों का महत्व समझाया। ब्रीद एनालाइजर और ई-चालान मशीन का लाइव डेमो देकर यह बताया गया कि तकनीक के माध्यम से ट्रैफिक व्यवस्था को किस तरह पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा रहा है।

एप्रोच रोड के लिए अटका मोरटक्का ब्रिज से सफर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● बरसों के इंतजार के बाद नर्मदा नदी पर नया पुल बनकर तैयार हो गया है। आज से इस पर ट्रैफिक शुरू होने की तैयारी थी, लेकिन एप्रोच रोड तैयार नहीं होने की वजह से मामला अटक गया। जिस कंपनी के पास नेशनल हाईवे निर्माण का ठेका है, उसने ओंकारेश्वर रोड का पेटी कांट्रेक्ट लेकर अपनी पूरी मशीनरी वहां लगा दी। इसके चलते इंदौर-हैदराबाद वाया खंडवा-बुरहानपुर की कनेक्टिविटी से जुड़ा बड़ा इकोनॉमी कॉरिडोर प्रभावित हो गया है। यह कॉरिडोर दो साल पहले तैयार हो जाना था, लेकिन अब तक अधूरा है। एनएचएआई के तहत इंदौर-ऐदलाबाद नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट की शुरुआत वर्ष 2018 में हुई थी। खंडवा से इंदौर की ओर धनगांव तक का हिस्सा तीन साल पहले बनकर तैयार हो गया और वहां ट्रैफिक भी शुरू हो चुका है। लेकिन धनगांव के आगे इंदौर की ओर बलवाड़ा तक का हिस्सा अब भी अधर में लटका है।

मध्यप्रदेश हैंडबॉल संघ के 21 खिलाड़ीयो को खेल छात्रवृति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश हैंडबॉल संघ द्वारा सत्र 2024-25 मे आयोजित राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता मे विजेता दल को 10 हजार, उपविजेता दल को 8 हजार व तृतीय स्थान प्राप्त दल को 6 हजार की राशि खेल व युवा कल्याण विभाग भोपाल द्वारा प्रोत्साहन स्वरुप प्रदत्त की जाती है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओ मे इंदौर जिला बालक जूनियर वर्ग मे विजेता तथा बालिका सब-जूनियर वर्ग मे तृतीय स्थान पर रही थी।

निम्नलिखित खिलाड़ीयो को छात्रवृति प्रदान की गई: 1.गोविंद तिवारी 2.श्लोक शर्मा 3.युवराज 4.समर्थ. 5.मुस्तफा अली, 6.प्रधुम्न सिंह7. मितीश जैन 8.आदित्य पाटिल 9.रुद्र कुशवाह 10.शुभ चित्रे 11.चेतन पटेल 12. अविरल शर्मा 13.लक्ष्मी जैन 14.राधा रानी मिश्रा 15.महिमा मालवीय 16.सोम्या प्रधान 17.आराध्या मालवीय 18.आराध्या तोमर 19.ऐंजल पटेल 20.पूर्वाशी वर्मा 21.भव्या चौधरी ।

मध्यप्रदेश हैंडबॉल संघ अध्यक्ष दीपक जैन टीनू, महासचिव हरदीप सिंह रुप्पल कोषाध्यक्ष कुलवंत सिंह, उपाध्यक्ष अमित त्रिपाठी, अशोक चौहान, इंद्रजीत सिंह गिल, गुरमीत सिंह संधू, मधू करोले, कल्पना मालवीय, राहुल चित्रे, राजू शर्मा आदि ने खिलाड़ीयो को बधाई दी व उज्वल भविष्य की कामना की।

घर में स्पष्ट सीमाएं होना बेहद जरूरीः टिस्का

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने एक दिलचस्प वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने घर से काम करने की चुनौतियों और संतुलन बनाए रखने की जरूरत पर बात की। वीडियो में टिस्का ने मजाकिया अंदाज में बताया कि भले ही वर्क फ्रॉम होम सुनने में आसान लगता हो, लेकिन जब घर में दो लेखक एक ही डाइनिंग टेबल पर काम करने बैठ जाएं, तो माहौल चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने लिखा, 'घर से काम करना बहुत अच्छा लगता है, लेकिन मुझे समझ आया है कि घर में साफ सीमाएं होना बेहद जरूरी है। एक ऐसी जगह, जहां आप ध्यान से काम कर सकें, समय पर काम खत्म करें और फिर घर जैसा सुकून महसूस कर सकें। काम, काम की जगह रहे और घर, घर जैसा ही।' उनकी यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है और कमेंट सेक्शन में लोग उनकी बातों से सहमति जताते हुए मजेदार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

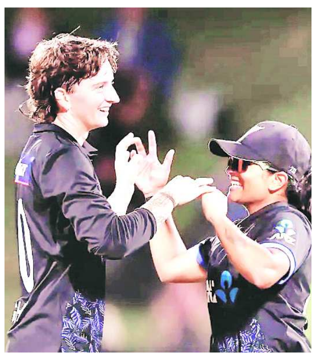

न्यूजीलैंड वूमंस टीम का क्लीन स्वीप, दस विकेट से रौंदा जिम्बाब्वे, अमेलिया केर प्लेयर ऑफ द सीरीज

हैमिल्टन (एजेंसी) ● न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे को 3-0 से टी-20 सीरीज हरा दी। रविवार को हैमिल्टन में पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे महिला टीम 64 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड ने महज 5.4 ओवर में बगैर विकेट गंवाए टारगेट हासिल कर लिया। सेडन पार्क स्टेडियम में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पूरे 20 ओवर बल्लेबाजी की। शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने 10 रन बनाने में ही सात विकेट गंवा दिए। टीम ने नौ विकेट के नुकसान पर 64 रन बनाए। 65 रन का टारगेट न्यूजीलैंड की महिला टीम ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में ही हासिल कर लिया। सीरीज में 183 रन बनाने के साथ चार विकेट लेने वाली कप्तान अमेलिया केर प्लेयर ऑफ द सीरीज चुनी गईं।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी) ● महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और निकहत जरीन मंगोलिया में 28 मार्च से 11 अप्रैल तक होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने एक महीने की विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद टीम का चयन किया है। जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला स्थित राष्ट्रीय शिविर में बुलाया गया था, जहां चयन नीति के तहत उनके प्रदर्शन का आकलन किया गया। इस चैंपियनशिप के परिणामों के आधार पर राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए प्राथमिकता तय की जाएगी, इसलिए इस टूर्नामेंट का महत्व काफी बढ़ गया है। महिलाओं में मुख्य जिम्मेदारी लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) निभाएंगी, जिन्होंने हाल ही में स्पेन में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उनके साथ स्वर्ण विजेता प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और प्रिया (60 किग्रा) को टीम में जगह मिली है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम का हिस्सा होंगी।

महिला टीम में अन्य महत्वपूर्ण मुक्केबाजों में शामिल हैं अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और हेवीवेट वर्ग में अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक)।

पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे सचिन (60 किग्रा), जिन्होंने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल और बॉक्सम चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता था। उनके साथ स्पेन में स्वर्ण जीतने वाले आकाश (75 किग्रा) को भी टीम में शामिल किया गया है। रजत विजेता दीपक (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा) और कांस्य विजेता जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (55 किग्रा) भी टीम का हिस्सा हैं। अन्य चयनित मुक्केबाजों में विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा), आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा), लोकेश (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा), और नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक) शामिल हैं। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि एशियाई चैंपियनशिप में दबाव और कौशल की कड़ी परीक्षा होती है, और टीम ऐसे मुक्केबाजों से चुनी गई है जिन्होंने बेहतर फॉर्म, अनुशासन और बड़े मंच पर प्रदर्शन की क्षमता दिखाई है। महिला टीम का मूल्यांकन मुख्य कोच सैंटियागो नीवा और पुरुष टीम का आकलन सीए कट्प्पा की निगरानी में किया गया। हाल ही में भारत ने स्पेन में आयोजित बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में नौ स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया था।

'द 50 पैलेस' से बाहर होने के बाद मोनालिसा हुई भावुक

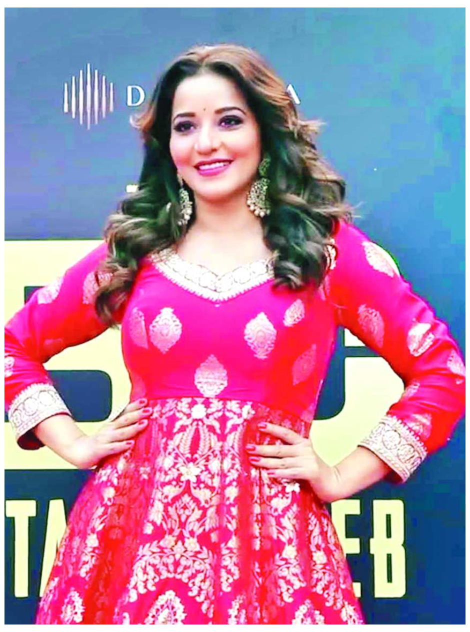

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री मोनालिसा रियलिटी शो द 50 से बाहर होने के बाद भावुक हो गई। इंस्टाग्राम पर उन्होंने अपनी एविक्शन तस्वीर साझा करते हुए बताया कि उन्हें शो के 'द 50 पैलेस' से बाहर निकलने का आदेश मिल गया है। मोनालिसा ने भावुक होकर लिखा कि भारी दिल से वह यह खबर साझा कर रही हैं, लेकिन उन्हें इस बात पर गर्व है कि पिछले 20 वर्षों से उनके फैंस उन्हें प्यार करते आए हैं और यह प्यार हमेशा बना रहेगा। अभिनेत्री ने पोस्ट में शो की टीम, मेकर्स और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि 50 सेलेब्रिटीज के बीच इस शो का हिस्सा बनना उनके लिए एक अनोखा और शानदार अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि उन्हें भगवान का शुक्रगुज़ार होना चाहिए कि उन्हें हर बार नए अनुभव और अवसर मिलते हैं। ''द 50' भी मेरे लिए एक नया अवसर था। इसका कॉन्सेप्ट और गेम्स बेहद अलग थे, जिन्हें शायद मैं फिर कभी न खेल पाऊं। लेकिन यह यात्रा बहुत मजेदार और अद्भुत रही,' उन्होंने लिखा। पोस्ट के अंत में मोनालिसा ने अपने पति विक्रांत सिंह की प्रशंसा की, जो अभी भी शो में बने हुए हैं।

उज्जैन संभाग

अस्पताल में भीड़ प्रबंधन और मेंटेनेंस में सुधार के लिए कहा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● कायाकल्प योजना के तहत जिला अस्पताल चरक भवन में चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता जांचने के लिए स्टेट टीम ने शनिवार को निरीक्षण किया। डॉ. सुधीर डहेरिया सीएमएचओ सीहोर, डॉ. विशाल शुक्ला डीएचएस भोपाल और डॉ. विनोद परमार डीएच रायसेन की तीन सदस्यीय टीम ने अस्पताल में ओपीडी, आईपीडी, पर्चा काउंटर, ऑपरेशन थिएटर, भर्ती वार्ड, शिशु ओपीडी, लेबर रूम, शिशु वार्ड और दवा स्टोर का निरीक्षण किया। टीम ने ओपीडी में पर्ची के लिए लगने वाली लंबी लाइन को लेकर सुधार के सुझाव दिए और अस्पताल के सिविल वर्क में मेंटेनेंस बेहतर रखने के निर्देश भी दिए। टीम ने अलग-अलग वार्डों में भ्रमण कर मरीजों, स्टाफ और परिजन से अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं और सेवाओं की जानकारी ली।

महाकाल की हर आरती का रेट तय, श्रद्धालुओं का गुस्सा,भक्तों के बीच भेदभाव क्यों?

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में अब आप संध्या और शयन आरती में तभी शामिल हो सकेंगे, जब आपके पास 250 रुपए का पास होगा। मंदिर समिति ने भस्म आरती की तर्ज पर इन आरतियों के दर्शन की नई व्यवस्था शुरू की है। इससे समिति को रोजाना 6 लाख रुपए की अतिरिक्त आय होगी। यानी हर महीने 1.80 करोड़ और साल के 22 करोड़ अतिरिक्त मिलेंगे। हालांकि, इस फैसले पर भक्तों ने विरोध जताना शुरू कर दिया है। महाकाल में आस्था रखने वाले इसे 'तुगलकी फरमान' बता रहे हैं। मंदिर प्रशासन से न सिर्फ श्रद्धालु नाराज हैं, बल्कि खुद धर्मस्व मंत्री भी इसके खिलाफ खड़े हो गए हैं। प्रशासन का तर्क है कि भस्म आरती की तरह संध्या-शयन आरती की ब्रांडिंग कर भीड़ नियंत्रित की जाएगी।

मंदिर समिति का फैसला पूरी तरह प्रशासनिक आदेश है। इसमें किसी भी जनप्रतिनिधि, पंडित या भक्त मंडलों से बात नहीं की गई। ऐसे लोग जो पैसे देकर भस्म आरती नहीं कर पाते थे, वे निशुल्क शयन या संध्या आरती करते थे। अब जिस दर्शनार्थी के पास 250 रुपए नहीं है तो वे चाहकर भी महाकाल की तीनों आरतियों में पूरे समय तक शामिल नहीं हो पाएंगे। फिलहाल उनके पास सिर्फ चलित दर्शन की व्यवस्था है। महाकाल मंदिर से जुड़े लोगों में मंदिर प्रशासन का डर साफ नजर आ रहा है। वे इस फैसले के खिलाफ तो हैं लेकिन डर के कारण बोल नहीं रहे।

इन आरतियों की बुकिंग पूरी तरह ऑनलाइन है। मंदिर प्रशासन इस व्यवस्था को पारदर्शिता का नाम दे रहा है, लेकिन ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में असमर्थ लोगों के लिए कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं है। सहायता के लिए मंदिर में हैल्प डेस्क लगाई गई है।

महाकाल शयन आरती भक्त मंडल के अध्यक्ष महेंद्र कटियार ने कहा, पिछले 26 साल से हम शयन आरती में शामिल हो रहे हैं। शिवरात्रि के बाद बाबा महाकाल के विवाह का भव्य समारोह मना रहे हैं, लेकिन इस बार प्रशासन ने मन खराब कर दिया।

भस्म आरती पर शुल्क था, अब संध्या-शयन आरती में भी पैसे लेंगे, तो मंदिर जैसा क्या बचा? क्या दूसरे धर्मों में ऐसा होता है? हमारे मंदिरों में यह भेदभाव क्यों? अगर लठ मारेंगे, तो लठ खाकर भी अंदर दर्शन करने जाएंगे। इससे भक्तों पर असर पड़ेगा। महाकाल मंदिर के पुजारी पं. विनय शर्मा ने कहा, प्रशासन और मंदिर समिति ने शुल्क लगाने के निर्णय पर पुजारियों से कोई पूर्व परामर्श नहीं किया, क्योंकि वे खुद सक्षम हैं। नई व्यवस्था में 25% सीटें गरीब या बाहरी श्रद्धालुओं के लिए ऑफलाइन आरक्षित हों, जिनकी ऑनलाइन बुकिंग तकनीकी कारणों या जानकारी के अभाव में न बन पाए।

सरकारी भूमि से गांजा पौधे जब्त गेहूं की आड़ में कर रहे थे खेती

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● नलखेड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की खेती के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने सरकारी भूमि पर गेहूं की फसल की आड़ में उगाए गए 227 गांजा के पौधे जब्त किए हैं। इस मामले में पिता-बेटे को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी नागेश यादव ने बताया कि पुलिस को 27 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया था कि ग्राम पचलाना निवासी पुरालाल भिलाला और उसका पुत्र लखन भिलाला लसुल्ड़िया गोपाल स्थित शासकीय भूमि पर कब्जा कर गांजा की खेती कर रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से मौके पर दबिश दी। दबिश के दौरान खेत में मौजूद दो लोग पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उनकी पहचान पुरालाल भिलाला (60) और उसके पुत्र लखन भिलाला (33) के रूप में हुई। दोनों ग्राम पचलाना के निवासी हैं।

खेत की तलाशी लेने पर गेहूं की फसल के बीच अवैध रूप से लगाए गए गांजा के पौधे पाए गए। पुलिस ने मौके से कुल 227 छोटे-बड़े हरे पत्तेदार गांजा पौधे उखाड़कर जब्त किए। इलेक्ट्रॉनिक तोलकांटे से तौल करने पर इनका कुल वजन 10.846 किलोग्राम निकला, जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपए बताई जा रही है।

आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज - पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ नलखेड़ा थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि गांजा की बिक्री किन-किन माध्यमों से की जा रही थी और इस अवैध गतिविधि में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं।

पुलिस ने 3 साल में लौटाए 4 करोड़ के मोबाइल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● पुलिस ने होली से पहले एक विशेष अभियान के तहत 406 गुम मोबाइल फोन उनके मालिकों को लौटाए। इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत 73 लाख 30 हजार रुपये है। साइबर टीम ने तकनीकी निगरानी के माध्यम से इन्हें ट्रैक कर बरामद किया। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में यह अभियान रविवार को चलाया गया। जिले में मोबाइल गुम होने की बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर आईटी सेल और साइबर टीम ने लगातार तकनीकी निगरानी की। इस दौरान 406 गुम मोबाइल फोन ट्रैक कर बरामद किए गए और उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए।बरामद किए गए मोबाइलों की कुल कीमत लगभग 73 लाख 30 हजार रुपये है। इनमें से कई फोन दूसरे जिलों और राज्य के बाहर भी सक्रिय पाए गए थे। पुलिस ने तकनीकी माध्यमों का उपयोग कर उनकी लोकेशन ट्रेस की और उन्हें सुरक्षित वापस लाया। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। पिछले तीन वर्षों में उज्जैन पुलिस ने कुल 2038 गुम मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को लौटाए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 4 करोड़ 7 लाख 45 हजार रुपये है।

महाकाल मंदिर के पुजारी दुबई में फंसे, परिवार ने सुरक्षित वापसी की गुहार लगाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● ईरान द्वारा हमले के बाद दुबई में बड़ी संख्या में भारतीय फंस गए हैं। इनमें उज्जैन के मोतीबाग निवासी और महाकाल मंदिर के पुजारी विकास शर्मा भी शामिल हैं, जो ज्योतिष सम्मेलन में गए थे। फ्लाइट रद्द होने के बाद वे दुबई में ही रुक गए हैं। परिवार ने शासन-प्रशासन से उनकी जल्द सुरक्षित वापसी की मांग की है। ईरान के हमले के बाद दुबई में हालात बिगड़ने से कई भारतीय वहीं फंस गए हैं। इन फंसे हुए लोगों में मध्यप्रदेश के उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर के पुजारी विकास शर्मा भी शामिल हैं। विकास पांच दिवसीय ज्योतिष सम्मेलन में भाग लेने दुबई गए थे और बुर्ज खलीफा क्षेत्र में ठहरे हुए थे। जानकारी के अनुसार 28 फरवरी की रात वे भारत लौटने के लिए फ्लाइट में सवार हुए थे। करीब ढाई घंटे तक विमान में बैठकर उड़ान का इंतजार करते रहे, लेकिन बाद में एयरपोर्ट अथॉरिटी ने हमले की सूचना देते हुए फ्लाइट निरस्त कर दी। इसके बाद दुबई, शारजाह और अबूधाबी एयरपोर्ट बंद किए जाने की घोषणा कर दी गई।

विकास महाकाल मंदिर के मुख्य पुजारी घनश्याम शर्मा के छोटे पुत्र हैं। उनके बड़े भाई आशीष शर्मा भी मंदिर में पुजारी हैं। दुबई में बने हालात को लेकर परिवार चिंतित है। आशीष ने रविवार को वीडियो कॉल पर विकास से बात की, जिसमें उन्होंने बताया कि वहां कर्फ्यू जैसे हालात हैं और एयरपोर्ट कब तक बंद रहेंगे, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले अतुल शेठ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ख्यात स्ट्रक्चरल इंजीनियर अतुल शेठ ने नागपुर प्रवास के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से उनके निवास पर भेंट की। अतुल शेठ ने उन्हें डीजी धवलीकर स्मृति व्याख्यान का निमंत्रण सौंपकर उनसे कार्यक्रम में इंदौर आने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने निमंत्रण स्वीकार करने के साथ ओंकारेश्वर रोड पर बनने वाले ब्रिज की आधारशिला भी रखने की बात कही। उन्होंने सुझाव दिया कि दोनों कार्यक्रम एकसाथ किए जा सकते हैं। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपने निजी सचिव को बुलाकर उसे इस बारे में निर्देश भी दिए। अतुल शेठ और उनके साथ गए विवेक तिवारी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से इंदौर के विकास को लेकर भी विस्तृत चर्चा की।

होली : 4 मार्च को भी सार्वजनिक अवकाश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य शासन द्वारा होली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में 4 मार्च को भी निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट्स एक्ट–1881 के अधीन सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा होली के पावन पर्व पर पूर्व में 3 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 में प्रवेश जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के अंतर्गत प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। यह जानकारी देते हुए शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नंदा नगर इंदौर के प्राचार्य ने बताया कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के तहत प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है और पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगा। उक्त संस्थान में प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हाईस्कूल से हाई सेकेण्ड्री उत्तीर्ण है।

यशवंत क्लब में चुनाव के पहले सत्ता में बने रहने संविधान बदलने की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● यशवंत क्लब की मैनेजिंग कमेटी की द्विवार्षिक चुनाव जून 2026 के अंत में हैं। क्लब संविधान के मुताबिक कोई भी पदाधिकारी लगातार दो टर्म तक (यानी चार साल तक) पद पर बने रह सकता है। इसके बाद उसे एक बार ब्रेक देना होता है और फिर वह चुनाव लड़ सकता है। वर्तमान मैनेजिंग कमेटी चेयरमैन मनजीत सचदेवा (टोनी) और सचिव संजय गोरानी दो बार लगातार चुनाव जीत चुके हैं। साथ ही, कार्यकाल जून में खत्म हो रहा है। इसके पहले अब मैनेजिंग कमेटी संविधान को बदलने के लिए नया प्रस्ताव लेकर आ रही है। इसके लिए जल्द ईजीओएम (एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी जनरल मीटिंग) बुलाई जा रही है।

यह बन रहा है प्रस्ताव–इस संबंध में प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें क्लब संविधान के रूल नंबर 42 को बदला जाएगा। इसके तहत अभी प्रावधान है कि चेयरमैन, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष और कमेटी सदस्य (पांच होते हैं), वह चुनाव लड़ने के लिए पात्र होगा यदि वह लगातार दो टर्म पर नहीं हो। अब इसमें संशोधन कर प्रस्तावित किया जा रहा है कि चेयरमैन, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष व कमेटी मेंबर वह फिर चुनाव के लिए योग्य होगा बिना किसी टर्म संबंधी प्रतिबंध के।

सत्ता में बने रहने की चाहत–इस पूरे बदलाव को सत्ता में लगातार बने रहने की चाहत माना जा रहा है। इस बदलाव की तैयारी हो रही है, इसे द सूत्र ने पहले ही ब्रेक कर दिया था। इसके तहत मैनेजिंग कमेटी के सदस्य लगातार क्लब सदस्यों से बात करके उनका मन टटोल रहे थे और माहौल बना रहे थे।

इसके बाद कुछ सदस्यों के जरिए इस संबंध में कमेटी ने पत्र लिया और इस पत्र को आधार बनाकर अब ईजीओएम कॉल करने की तैयारी हो रही है। वहीं ईजीओएम पर भी मांग उठ रही है कि यह प्रस्ताव आता है तो क्योंकि संविधान का मामला है, तो इसमें गुप्त मतदान (बैलेटिंग) कर इस पर फैसला हो। अभी तक हाथ खड़े कर के फैसला किया जाता है, जिसमें गफलत होती है।

नए को मौका कब मिलेगा–वर्तमान चेयरमैन टोनी सचदेवा बीते 50 सालों से मैनेजिंग कमेटी से लेकर विविध कमेटी, पदों पर रह चुके हैं। वह अभी लगातार दो बार से चेयरमैन हैं। पहली बार 1992 में चेयरमैन बने थे। इसके बाद वह 1998, 2004, 2008, 2014, 2016, 2022, 2024 में चुनाव जीतकर चेयरमैन बन चुके हैं। गोरानी लगातार दो टर्म से सचिव पद पर हैं। इसके बाद अब सत्ता की राह में बाधा बन रहे क्लब संविधान को ही बदलने की तैयारी की जा रही है।

इसके पहले जमीन मजबूत करने सदस्य बनाए–क्लब में साल 2000 से ही सदस्यता प्रतिबंधित थी। इसके बाद इसी मैनेजिंग कमेटी के कार्यकाल में 100 नए सदस्य 25-25 लाख रुपए देकर बनाने का प्रस्ताव पास हुआ। इसमें तय हुआ था कि 25-25 करके चार साल में सदस्य बनाए जाएंगे वहीं, चुनावी लाभ लेने के लिए यह सभी 100 सदस्य केवल दो साल में बना लिए गए। जिससे जून में इसका लाभ मिल सके। इसके बाद अब सत्ता में बाधा बन रहे संविधान को बदलने की तैयारी हो रही है।

इसी माह यह प्रस्ताव पास कराना जरूरी

इसी माह यह प्रस्ताव पास कराना जरूरी है। कारण है कि इसी चुनाव में इसका फायदा लेते हुए मैनेजिंग कमेटी पदाधिकारियों को फिर से चुनाव लड़ना है। मार्च माह अंतिम है, इसके बाद पदाधिकारियों के हाथ में कुछ नहीं रहेगा क्योंकि यह केवल केयरटेकर की भूमिका में होंगे। कारण है कि जून में चुनाव है। ऐसे में यह चुनाव के पहले जल्दबाजी की जा रही है। लेकिन इससे कई सदस्यों में भारी नाराजगी देखी जा रही है और इसे क्लब के लोकतंत्र और सालों पुरानी गौरवशाली परंपरा पर हमला माना जा रहा है। साथ ही इसे तानाशाही रवैये के रूप में देखा जा रहा है।

मस्जिद के पास कब्जे हटाने की कार्रवाई के खिलाफ याचिका, छुट्टी के दिन स्पेशल बेंच ने दिया स्टे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में एक जमीन पर कब्जा हटाने की कार्रवाई को लेकर मामला उलझ गया है। हाईकोर्ट में रिट अपील दायर हुई। छुट्टी के दिन बेंच बैठी और कार्रवाई पर रोक लगा दी।

इंदौर में जिला प्रशासन, नगर निगम की टीम ने शनिवार सुबह साढ़े सात बजे सीआरपी लाइन के पास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। प्रशासन ने इसे सुपर स्पेशलिएटी अस्पताल के पास अवैध कब्जा बताया। यहां पर एमवाय प्रबंधन नया भवन बनाने जा रहा है। लेकिन वक्फ बोर्ड का दावा है कि यह जमीन शासकीय नहीं होकर उनकी है। इसे लेकर रिट अपील लगी और स्टे हुआ।

सीआरपी लाइन के प्लॉट नंबर 6,11 व 12 की 40 हजार वर्गफीट जमीन है। इसमें तहसीलदार जूनी इंदौर द्वारा 10 फरवरी को आदेश दिया। यहां प्लॉट नंबर 12 पर वक्फ बोर्ड का दावा है। यहां मुसाफिर खाना और मस्जिद बनी हुई है। मस्जिद सदर अंजुमन इस्लाउलमुसलीमीन सीईओ शबीर हाशमी ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में पहले रिट पिटीशन दायर की, जो 27 फरवरी को खारिज हो गई। लेकिन

इसमें याचिकाकर्ता को राहत दी कि वह इसमें सक्षम अथॉरिटी के पास अपील कर सकता है।

लेकिन आदेश आने के अगले दिन कार्रवाई–वक्फ बोर्ड इंदौर के अध्यक्ष रेहान शेख ने कहा कि हाईकोर्ट का शुक्रवार को आदेश आते ही प्रशासन और निगम ने दल बनाकर शनिवार सुबह अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर दी। इस पर रिट अपील दायर की थी। केस में वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागडिया ने पक्ष रखते हुए कहा कि अपील करने का भी समय नहीं दिया गया है। सीधे कार्रवाई कर दी गई है। जबकि रिट पिटीशन में साफ निर्देश था। इस पर शासन की ओर से बताया गया कि याचिकाकर्ता की मांग पर एक सप्ताह का समय दे दिया और कार्रवाई रोक दी है। हालांकि इसमें हाईकोर्ट जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस द्वारिकाधीश बंसल ने आदेश दिया कि होली, ईद को देखते हुए एक महीने का समय देते हैं। याचिकाकर्ता इसमें सक्षम अथॉरिटी के पास अपील कर सकता है।

यह है पूरा विवाद–प्लॉट नंबर 12 जो 30 हजार 400 वर्गफीट का है, इसे वक्फ बोर्ड अपनी संपति बताता है। इनका दावा है कि यहां पर मुसाफिर खाना और मस्जिद बनी है और इसके लिए निगम से मंजूरी हुई है। वहीं प्रशासन का कहना है कि यह नजूल की संपत्ति है और यह कब्जाधारी है। कुल जमीन प्लॉट नंबर 6, 11 व 12 की 40 हजार वर्गफीट जमीन पर कब्जा है और इसे हटाने के आदेश हो चुके हैं।

भागीरथपुरा पर अपने नेता राहुल गांधी का ही वादा भूली कांग्रेस

आयोग के सामने आपत्ति ही नहीं लगाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा मामले में बीजेपी को लगातार घेरने वाली और मंत्री से इस्तीफा मांगने वाली कांग्रेस अपने नेता राहुल गांधी से किया वादा ही भूल गई। हाईकोर्ट द्वारा गठित जांच आयोग के सामने कोई आपत्ति ही नहीं लगाई। भागीरथपुरा कांड में 35 मौत हो चुकी है। हालांकि, मप्र शासन ने 22 मौत मानी है। इसमें 459 को अस्पताल में भर्ती कर उपचार कराया गया। इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठाने वाली कांग्रेस अब अपने नेता राहुल गांधी से किया वादा ही भूल गई है। राहुल गांधी 17 जनवरी को इंदौर दौरे पर आए थे और कहा कि कांग्रेस न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ेगी। इसकी जिम्मेदारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे और अन्य नेताओं को दी गई। लेकिन हालत यह है कि इन नेताओं ने किसी ने भी जांच आयोग के सामने एक आपत्ति नहीं लगाई।

जांच आयोग के पास कांग्रेस नेता की आपत्ति नहीं

इस मामले में हाईकोर्ट इंदौर ने हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस सुशील गुप्ता की अध्यक्षता में जांच आयोग का गठन किया। जांच आयोग ने सूचना जारी करते हुए 28 फरवरी तक उनके दफ्तर में आपत्ति, शिकायत व सुझाव के लिए सूचना जारी की। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से जहां कांग्रेस से कई आपत्तियां, शिकायत लगवानी थी वहां कोई पहुंचा ही नहीं। किसी भी जिम्मेदार नेता ने इसे जरूरी ही नहीं समझा। उधर आयोग के पास करीब 15 शिकायतें इसे लेकर पहुंची है जिसमें स्थानीय नागरिक है। वहीं कांग्रेस के पूर्व महासचिव जिन्हें अभी कोई पद नहीं दिया गया है राकेश यादव ने इसमें सजगता दिखाते हुए पांच पन्नों में आयोग के सामने शिकायत दी है।

5 मार्च को होगी सुनवाई

इस मामले में हाईकोर्ट ने 27 जनवरी को आदेश जारी कर जांच आयोग गठित किया था। इसमें पांच मार्च को अगली सुनवाई होगी और इसमें आयोग से प्रारंभिक रिपोर्ट की उम्मीद की गई है। हालांकि शिकायत के लिए आयोग ने 28 फरवरी तक समय दिया था। इसके बाद होली के अवकाश है। ऐसे में आयोग को प्रारंभिक रिपोर्ट देने में समय लग सकता है।

प्रदेशभर के मेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों में नियुक्त होंगे काउंसलर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

जबलपुर ● प्रदेश भर के मेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों में अब काउंसलरों की नियुक्ति की जाएगी। डायल 100, सीएम हेल्पलाइन 182 की तरह मेडिकल, और डेंटल के वे छात्र जो कि मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं वे डायल 112 और टेली मानस हेल्पलाइन: 14416, उमंग किशोर हेल्पलाइन: 14425 पर फोन कर काउंसलर से समाधान ले सकेंगे। छात्र की पहचान गोपनीय रखी जाएगी, ताकि उसे समस्या का सामना न करना पड़े।

इस नवाचार के लिए मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय और संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा ने प्रदेश के सभी मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेजों के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए अब शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए 'काउंसलर्स' की नियुक्ति अनिवार्य कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 25 जुलाई 2025 को दिए गए निर्णय के परिपालन में राष्ट्रीय टास्क फोर्स के दिशा-निर्देशों को लागू किया जा रहा है।

- **डायल 100 की तरह डायल 112 पर फोन कर छात्र ले सकेंगे स्ट्रेस फ्री के टिप्स**
- **सुको के निर्देश, विभाग के पत्र के बाद एमयू ने मांगी जानकारी**

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संस्थानों के लिए काउंसलर की योग्यता भी निर्धारित कर दी गई है। इनमें मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर और गाइडेंस व काउंसलिंग में पीजी डिप्लोमा, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, सोशल वर्क में स्नातकोत्तर, साइकियाट्रिक सोशल वर्कर, गाइडेंस एवं काउंसलिंग में पीजी डिप्लोमा धारक शोधार्थी शामिल होंगे।

हेल्पलाइन नंबर का होगा प्रदर्शन : आदेश के अनुसार, सभी कॉलेजों को अपने परिसर में कम से कम 2 से 3 प्रमुख स्थानों पर छात्र-सहायता हेल्पलाइन नंबरों के बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा। इन बोर्डों पर डायल- 112 के साथ ही टेली मानस 14416 और उमंग किशोर हेल्पलाइन: 14425 की विस्तृत जानकारी जानकारी दर्ज की जाएगी, ताकि पीड़ित छात्र इस पर संपर्क कर अपनी समस्या का समाधान सकें।

संबद्धता, नवीनीकरण के लिए 10 मार्च तक का मौका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संबद्धता सहित, नवीनीकरण के लिए 10 मार्च तक का समय है। सत्र 2026-27 की अस्थाई संबद्धता/नवीनीकरण / पूर्व से संचालित पाठ्यक्रमों की निरंतरता/ सीट संख्या वृद्धि प्राप्त करने, नवीन महाविद्यालय/ नवीन विषय / शोध केंद्र शुरु करने और पूर्व से संचालित विषयों की उत्तरवर्ती कक्षाओं की अस्थाई संबद्धता प्राप्त करने के लिए मप्र शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल, केंद्रीय निकाय की अनुमति के साथ एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन व शुल्क, जीएसटी सहित जमा करना रहेगा। विश्वविद्यालय ने बगैर विलंब शुल्क सहित आवेदन की अंतिम तारीख को आगे बढ़ाया है। कुलसचिव ने स्पष्ट कहा है कि 10 मार्च तक बगैर विलंब शुल्क के शुल्क जमा किए जा सकते हैं।

नर्सिंग महाविद्यालयों के पास 15 तक मौका : विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत इंदौर, धार व झाबुआ में संचालित नर्सिंग महाविद्यालयों को सत्र 2025-26 में संबंधित पाठ्यक्रमों की पहले वर्ष की संबद्धता के लिए भी 15 मार्च तक का समय तय किया है। महाविद्यालयों से एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर ऑनलाइन दस्तावेज अपलोड करवाने और संबद्धता शुल्क जमा कर आवेदन करने के लिए सामान्य शुल्क में तारीख को आगे बढ़ाया गया है। कुलसचिव ने कहा है कि अब महाविद्यालय 15 मार्च तक बगैर विलंब शुल्क के आवेदन कर सकते हैं।

जारी किया गया लॉगिन आईडी : मप्र नर्सेस रजिस्ट्रेशन कौंसिल, भोपाल व आयुक्त उच्च शिक्षा, मप्र शासन, भोपाल की ओर से अनुमति, अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त नर्सिंग महाविद्यालयों को प्रभारी, एमपीऑनलाइन, डीएवीवी की ओर से नर्सिंग महाविद्यालयों को लॉगिन आईडी जारी किया गया है। ऐसे नर्सिंग महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय में एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर मप्र नर्सेस रजिस्ट्रेशन कौंसिल, भोपाल के मापदंडों के अनुसार दस्तावेज को अपलोड कर व शुल्क जमा कर संबद्धता के लिए ऑनलाइन आवेदन करना है। इसमें यूजी और पीजी के लिए इंस्पेक्शन फीस, फर्स्ट इयर एफिलिएशन फीस, यूनिवर्सिटी डेवलपमेंट फीस, यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन फीस (यूजी के लिए) और आईटी फीस शामिल है।

शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी सघन कार्रवाई, 05 प्रतिष्ठानों की जांच, कुल 18 नमूने लिए गए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा होली पर्व के दृष्टिगत खाद्य पदार्थों की सघन जांच कर मिलावट पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की समीक्षा बैठक आयोजित कर शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष सघन जांच अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को अधिक से अधिक खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूने लेने हेतु निर्देशित किया गया। निर्देशों के परिपालन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा आज विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी कार्रवाई की गई। प्राप्त शिकायत के आधार पर बलराज रिट्रीट, ग्राम गवाला, चोरल, तहसील महू का निरीक्षण किया गया। मौके पर प्रभारी श्री सत्यनारायण उपाध्याय उपस्थित पाए गए। परिसर में खाद्य पदार्थों का निर्माण एवं विक्रय किया जाना पाया गया।

प्रदेश में सबसे ज्यादा स्टाम्प ड्यूटी, सबसे कम एफएआर, रियल एस्टेट संस्था ने जताई चिंता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में प्रॉपर्टी गाइडलाइन बनाने का काम शुरू हो गया है। इसके पहले रियल एस्टेट संस्था नरेडको के कार्यक्रम में स्टाम्प ड्यूटी के साथ ही कम एफएआर और मास्टर प्लान की देरी का मुद्दा उठाया गया है। नरेडको के चेयरमैन डॉ. निरंजन हीरानंदानी, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी और महापौर पुष्यमित्र भार्गव के सामने ये मुद्दा उठाया गया है। शुक्रवार, 27 फरवरी को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में यह आयोजन हुआ था। इसमें नरेडको के एमपी चैप्टर के प्रमुख विवेक दम्मानी, संस्था के सचिव सत्यनारायण पप्पू, मंत्री व रियल एस्टेट सेक्टर के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नरेडको के चेयरमैन ने यह तीन अहम मुद्दे उठाए– जीएसटी की तरह कम हो स्टाम्प ड्यूटी : हीरानंदनी ने मुद्दा उठाया कि मध्यप्रदेश में रजिस्ट्री पर सबसे ज्यादा शुल्क लग रहा है, जो देश में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पीएम नरेंद्र मोदी ने जीएसटी शुल्क कम किया है, उसी तरह इसे भी कम किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हर जगह यह अधिकतम 5-6 फीसदी है। वहीं एमपी में नगरीय सीमा में 12.50 फीसदी और ग्रामीण में 9.50 फीसदी है। जरूरत है कि

फाइल फोटो

बाजार के हिसाब से गाइडलाइन की जाए और ड्यूटी को कम किया जाए। उनका मानना है कि इससे ब्लैक मनी का भी खतरा नहीं होगा।

एफएआर तो सबसे कम है : दूसरा अहम मुद्दा एफएआर का उठाया गया है। एमपी में यह सबसे कम 1.25 ही है, जबकि हैदराबाद तेलंगाना सरकार ने तो यह प्रावधान ही खत्म कर दिया है। इसे बढ़ाएंगे नहीं तो फिर वर्टिकल ग्रोथ कैसे होगी। दम्मानी ने बताया कि आज प्लॉटिंग और निर्माण के लिए दूर जाना पड़ता है। इंदौर शहरी सीमा में आए 29 गांवों में ही अभी तक इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं हुआ है, तो फिर आगे कैसे काम होगा। जरूरी है वर्टिकल ग्रोथ के लिए एफएआर बढ़ाया जाए।

मास्टर प्लान बिना कैसे काम करेगा निवेशक : तीसरा मुद्दा मास्टर प्लान का उठाया गया है। हीरानंदानी ने साफ कहा कि आज महाराष्ट्र में हर गांव, तालुका का मास्टर प्लान मौजूद है। इसके चलते ही महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा निवेश आ रहा है। निवेशक को जब आपका विकास प्लान ही क्लीयर नहीं होगा तो वह कैसे निवेश करेगा। इसे तो सबसे पहले जारी किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय विधानसभा में बोल चुके हैं कि यह प्लान बनकर डेढ़ साल से सीएम की मंजूरी के पास है। मेट्रोपॉलिटन रीजन प्लान के चलते इसे होल्ड किया हुआ है।

पांच फीसदी स्टाम्प ड्यूटी, 1 फीसदी पंचायत ड्यूटी, 3 फीसदी निगम ड्यूटी, तीन फीसदी पंजीयन शुल्क और 0.5 फीसदी उपकर (इस तरह 12.50 फीसदी) ग्रामीण एरिया में तीन फीसदी निगम ड्यूटी कम हो जाती है। इस तरह वहां 9.50 फीसदी शुल्क लगता है। वहीं जवाहरलाल नेहरू मिशन के समय साल 2004 में ही पूरे देश में 5 फीसदी स्टाम्प ड्यूटी तय की थी। वहीं, बाद में एमपी व अन्य सरकारों ने इसमें अपने स्तर पर अलग-अलग ड्यूटी, उपकर जोड़ इसे महंगा कर दिया।

मंत्री बोले- सुझाव पर करेंगे काम

नगरीय प्रशासन मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि हमें ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर आगे बढ़ना चाहिए। विकास जरूरी है और इसके लिए सरकार भी समर्थन में है कि लेकिन लोगों को सुविधाएं मिलें। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भी कहा कि 29 गांवों में अभी इतनी सुविधाओं का विस्तार नहीं हुआ है और निगम काम कर रहा है। स्टाम्प ड्यूटी कम करने के लिए हम भी पत्र लिख चुके हैं। सांसद शंकर लालवानी व अन्य ने भी कहा कि सुझावों पर सरकार काम करेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।